RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

वर्ष : 27 | अंक : 212 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, मंगलवार, 22 जुलाई, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

उपराष्ट्रपति का इस्तीफा मंजूर

धानखड़ नहीं देंगे फेयरवेल स्पीच

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार शाम को अचानक अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उपराष्ट्रपति का इस्तीफा देश की राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू ने मंजूर कर लिया है। उपराष्ट्रपति ने इस्तीफा देने के बाद कहा कि यह फैसला उन्होंने 'स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने' के लिए लिया है। 74 वर्षीय धनखड़ 2022 से उपराष्ट्रपति पद संभाल रहे थे। साथ ही वह राज्यसभा के अध्यक्ष भी थे।

संसद के मॉनसून सत्र के पहले दिन ही उनका इस्तीफा काफी चौंकाने वाला है। दिन में वह राज्यसभा में मौजूद थे, जहां नेता सदन जेपी नड्डा और विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के बीच ऑपरेशन सिंदूर और पहलगाम हमले को लेकर तीखी बहस हुई थी। इस दौरान उपराष्ट्रपति को यह कहते सुना गया था कि वह सुनिश्चित करेंगे कि मुद्दे को लेकर तमाम पहलुओं पर चर्चा हो।

बाद में उन्होंने विपक्ष और सत्ता पक्ष की एक मीटिंग बुलाई थी, जिसमें कहा जा रहा है कि सत्ता पक्ष के सांसद नहीं पहुंचे. इसके बाद देर शाम जगदीप धनखड़ ने अपने इस्तीफे का ऐलान कर दिया, जिसको लेकर अटकलों का दौर जारी है। सूत्रों के मुताबिक, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अपने इस्तीफे पर पुनर्विचार से साफ इनकार कर दिया है। बताया जा रहा है कि उन्होंने अपने परिवार से सलाह-मशविरा कर यह फैसला लिया और पूरी तरह से स्वास्थ्य कारणों की वजह से इस्तीफा दिया है। आज वे राज्यसभा की चेयर पर नहीं दिखेंगे, और उन्होंने यह भी तय किया है कि वे फेयरवेल स्पीच नहीं देंगे। उनके इस्तीफे के बाद राजनीतिक हलचल बढ़ गई है। वहीं खबर है कि आज शाम 5.30 बजे राज्यसभा की बीएसी की बैठक होगी जिसकी अध्यक्षता उपसभापति हरिवंश करेंगे।

उपराष्ट्रपति के इस्तीफे पर बोले पीएम

श्री जगदीप धनखड़ जी को भारत के उपराष्ट्रपति सहित कई भूमिकाओं में देश की सेवा करने का अवसर मिला है। मैं उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना करता हूं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

संसद के दोनों सदनों में हंगामा

संसद के दोनों सदनों में गतिरोध जारी है। लोकसभा और राज्यसभा, दोनों सदनों की कार्यवाही शुरू होने के बाद पांच मिनट के भीतर ही हंगामे के कारण स्थगित हो गई। आज राज्यसभा की कार्यवाही शुरू हुई, तो आसन पर सदन के उपसभापति हरिवंश आए थे। सभापति जगदीप धनखड़ ने एक दिन पहले ही उपराष्ट्रपति पद से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे दिया था। राज्यसभा की कार्रवाई दोपहर 2.00 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई थी।

नोएडा स्थापित कर रहा है विकास के नए आयाम

नोएडा शहर उत्तर प्रदेश की औद्योगिक नगरी है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में नोएडा विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। हाल ही में नोएडा शहर को स्वच्छता सर्वेक्षण में नम्बर-01 स्थान मिला है। इस दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नोएडा को स्वच्छता में मिली देशभर में नंबर-1 रैंकिंग पर बधाई दी और प्राधिकरण के कार्यों की सराहना की। मुख्यमंत्री योगी से मुलाकात के दौरान नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम के नेतृत्व में पूरी टीम ने मुख्यमंत्री को आश्वस्त किया कि नोएडा को देश के सर्वश्रेष्ठ शहरों में बनाए रखने के लिए हरसंभव प्रयास जारी रहेंगे। मुख्यमंत्री ने नोएडा को मिली उपलब्धि को जनभागीदारी और प्राधिकरण की प्रतिबद्धता का परिणाम बताते हुए कहा कि यही रफ्तार बनी रहे तो उत्तर प्रदेश का शहरी विकास मॉडल देश में उदाहरण बनेगा।

आपको बता दें कि बीते शुक्रवार को सेक्टर-18 स्थित होटल रेडिशन ब्लू में एक सेलिब्रेशन सेरेमनी आयोजित की गई। इस अवसर पर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम ने नोएडा के नागरिकों और सफाईकर्मियों को इस उपलब्धि का श्रेय देते हुए कहा कि यह पुरस्कार हमारी सामूहिक मेहनत, समर्पण और सफाईकर्मियों के अथक प्रयासों का प्रतिफल है। पॉलीबैग मुक्त अभियान से लेकर डोर-टू-डोर वेस्ट कलेक्शन और गीले-सूखे कचरे के पृथक्करण तक—हमने हर स्तर पर काम किया है। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह केवल एक रैंक नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है, जिसे बनाए रखने के लिए सभी को मिलकर और अधिक मेहनत करनी होगी।

अंदर पढ़ें नोएडा के विकास की पूरी गाथा

आज के अंक में हमने नोएडा के विकास की पूरी गाथा का विवरण प्रस्तुत किया है। नोएडा के विकास की इस गाथा को पढ़ें पेज नम्बर-3 तथा पेज नम्बर-5 पर

सड़क हादसे में घायल तीन लोगों ने दम तोड़ा

नोएडा (चेतना मंच)। अलग-अलग स्थानों पर सड़क हादसों में घायल हुए तीन लोगों की उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतकों के परिजनों ने लापरवाह वाहन चालकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

थाना सेक्टर-24 में सेक्टर-18 जेजे कॉलोनी निवासी ललित यादव ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। ललित यादव ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनका भाई दिलीप यादव ऑटो रिक्शा चलाकर अपने परिवार का भरण पोषण कर रहा था। 19 जुलाई को उनके भाई सेक्टर-18 से सवारी लेकर सेक्टर-73 की तरफ जा रहा था। एलिवेटेड रोड पर इस्कॉन मंदिर के पास तेज गति में आ रहे कार चालक ने ऑटो में टक्कर मार दी। इस हादसे में दिलीप यादव को गंभीर चोट आई और उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया।

थाना फेस-1 क्षेत्र के सेक्टर-8 स्थित चिपचाप होटल के पास तेज गति में जा रहे ऑटो ने मोहम्मद शकील मंसूरी को टक्कर मार दी। (शेष पृष्ठ-7 पर)

सांसद चन्द्रशेखर आजाद को इंस्टाग्राम पर दी धमकी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। इंस्टाग्राम पोस्ट पर उत्तर प्रदेश की नगीना लोकसभा सीट से सांसद चंद्रशेखर आजाद उर्फ रावण के विरुद्ध अभद्र टिप्पणी करना एक व्यक्ति को खासा महंगा पड़ा। दादरी पुलिस ने ट्विटर हैंडल की पोस्ट के आधार पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

दादरी थाने में तैनात उप निरीक्षक राजेश बाबू ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि बीते दिनों ट्विटर हैंडल पर आजाद समाज पार्टी गौतमबुद्धनगर की इंस्टाग्राम आईडी पर एक पोस्ट किया गया था। इस पोस्ट में ग्राम घोड़ी बछेड़ा दादरी निवासी संगम सिंह रावल पुत्र ओमवीर सिंह रावल ने सांसद चंद्रशेखर उर्फ रावण के विरुद्ध अमर्यादित टिप्पणी की थी। पोस्ट में संगम सिंह रावल ने गाली-गलौज करते हुए गांव में आने पर देख लेने की भी धमकी दी थी। इस पोस्ट में एक वर्ग के लोगों में रोष व्याप्त था। मामले की पड़ताल के बाद आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

दो किशोरियां लापता

नोएडा (चेतना मंच)। अलग-अलग स्थानों से दो किशोरियों लापता हो गई। किशोरियों के परिजनों ने संबंधित थानों में मुकदमा दर्ज कराया है।

थाना फेस-2 क्षेत्र के याकूबपुर गांव में रहने वाले मनोज (काल्पनिक नाम) ने बताया कि उनकी (15 वर्षीय) बेटी 20 जुलाई को घर से चली गई। परिजनों ने उसके काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। किशोरी की तलाश के दौरान पता चला कि बिहार निवासी सूरज, उसका दोस्त मोहित, सूरज का पिता धर्मेंद्र तथा फूफा रघुवर लाल उसकी बेटी को बहला-फुसलाकर कर अपने साथ ले गए हैं। पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

वहीं थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र के तुगलपुर में किराए पर रहने वाले राकेश की (12 वर्षीय) बेटी 18 जुलाई को घर से परिजनों को बिना बताए चली गई। परिजनों ने जब उसकी तलाश की तो पता चला कि उसकी बेटी को दीपांशु अपने साथ ले गया है। पुलिस का कहना है कि पीड़ितों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और लापता किशोरियों वह आरोपियों की तलाश की जा रही है।

उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद के 36वे स्थापना दिवस पर मंच से संबोधित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। साथ में हैं कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, कृषि राज्यमंत्री बलदेव औलख व कृषि अनुसंधान परिषद के चेयरमैन कैप्टन विकास गुप्ता।

बाथरूम में नहा रहा था युवक, कमरे से फोन चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-63 क्षेत्र के छिजारसी में रहने वाले एक युवक के कमरे से चोरों ने मोबाइल फोन चोरी कर लिये। युवक कमरे का दरवाजा खुला छोड़कर नहाने के लिए चला गया था।

छिजारसी कॉलोनी में स्थित आर के शर्मा बिल्डिंग में रहने वाले कमल सिंह ने बताया कि 9 जुलाई की दोपहर को वह अपने कमरे के बाथरूम में नहा रहा था। इस दौरान कैमरे का दरवाजा खुला रह गया कुछ देर बाद जब वह नहा कर बाहर आया तो उसके कमरे से उसका मोबाइल फोन गायब था। उसने अपने मोबाइल फोन की तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। पीड़ित ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराकर मोबाइल फोन तलाश में की गुहार लगाई है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है।

दबंगों ने पड़ोसी के घर में घुसकर बोला हमला

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बादलपुर क्षेत्र के शादीपुर छिडोली गांव में आपसी विवाद में कुछ दबंगों ने पड़ोसी के घर में घुसकर उस पर धारदार हथियार से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपियों ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराने पर जान से मारने की धमकी दी।

शादीपुर छिडोली गांव निवासी नसरत उर्फ नासिर ने थाने में दर्ज रिपोर्ट में बताया कि 19 जुलाई की शाम को उनके पड़ोस में रहने वाले दिलशाद, चांद, दीन मोहम्मद, अनस, खुर्शीद व शहनाज जबरन उनके घर में घुस आए और गाली गलौज करने लगे। उसके भाई जुबेर ने जब इस बात का विरोध किया तो आरोपियों ने उस पर लाठी-डंडों व धारदार हथियारों से हमला कर दिया। धारदार हथियार के वार से उनका भाई जुबेर लहूलुहान होकर जमीन पर गिर गया इसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। नुसरत के मुताबिक उसने इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने उसके भाई को उपचार के लिए बादलपुर स्थित सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। गंभीर हालत को देखते हुए उसे चिकित्सकों ने दूसरे अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। पीड़ित का आरोप है कि दबंग पूर्व में भी उन पर हमला कर चुके हैं। इस घटना के बाद भी उनके हौंसले इस कदर बुलंद हैं कि वह जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। पुलिस ने नसरत की शिकायत पर छह आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। जांच में पता चला है कि दोनों पक्षों के बीच पुराना विवाद चला आ रहा है।

ग्रेटर नोएडा से चोरी बाइक का बुलंदशहर में कटा चालान

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जनपद गौतमबुद्धनगर क्षेत्र से चोरी की गई बाइक को वाहन चोर दूसरे जनपद में जमकर दौड़ा रहे हैं। इस बात का खुलासा चोरी के बाद वाहन स्वामी के पास आए चलान से हुआ। पीड़ित ने कासना थाने में अज्ञात चोर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

ग्राम धनूवास निवासी सोनू सिंह ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 9 जुलाई की शाम को वह ग्रेटर नोएडा स्थित जिम्स अस्पताल आया था। उसने अपनी बाइक अस्पताल के बाहर खड़ी कर दी और काम से चला गया। कुछ देर बाद जब अस्पताल से वापस आया तो उसकी बाइक गायब थी। उसने अपनी बाइक की तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। 9 जुलाई की देर शाम उसके मोबाइल फोन पर बाइक का चालान काटने का मैसेज आया। यह चालान हेलमेट न पहनने पर किया गया था। उसकी बाइक का चालान जनपद बुलंदशहर क्षेत्र में काटा गया था। चालान में बाइक चला रहे व्यक्ति की तस्वीर भी स्पष्ट नजर आ रही है।

सोनू सिंह ने पुलिस को चालान की प्रति भी पुलिस को उपलब्ध कराई है। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। बुलंदशहर में जिस स्थान पर चालान काटा है वहां की पुलिस से भी संपर्क किया जा रहा है।

बच्चों के झगड़े में हुई परिजनों में मारपीट

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। बच्चों के बीच हुए विवाद के बाद बड़ों में मारपीट हो गई। बच्चों की शिकायत करने गए युवक का पड़ोसी ने लोहे की रॉड मारकर सिर फोड़ दिया। पीड़ित ने थाना सूरजपुर में आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

सूरजपुर की भोलनाथ कॉलोनी में रहने वाले आरिफ ने बताया कि 8 मार्च को उसके बेटे तथा पड़ोस में रहने वाले राजकुमार के बच्चों का आपस में झगड़ा हो गया था। झगड़े की जानकारी मिलने पर वह राजकुमार के घर पहुंचा और अपने बच्चों को समझने के लिए कहा। इस बात को लेकर राजकुमार आग बबूला हो गया और उसने गाली गलौज शुरू कर दी। (शेष पृष्ठ-7 पर)

जीएम सिविल अशोक अरोड़ा ने किया विकास कार्यों का निरीक्षण

मातहत अफसरों को दिये कई निर्देश

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण में महा प्रबंधक सिविल का पद भार ग्रहण करने के बाद विकास कार्यों का निरीक्षण करने निकले अशोक कुमार अरोड़ा ने कई खामियां देखीं। उन्होंने अपने मातहत वर्क सर्किल के प्रभारी वरिष्ठ प्रबंधक व स्टाफ को कई निर्देश दिए।

सेक्टर-92 में निरीक्षण के बाद महा प्रबंधक अशोक कुमार अरोड़ा ने जेपी फ्लाईओवर से सेक्टर-92 टी- पाइंट तक नाले पर चल रहे निर्माण को तेज करने और योजना से संबंधित विवरण का बोर्ड लगाने के निर्देश दिए। उन्हें सेक्टर-92 की सर्विस रोड जगह-जगह से क्षतिग्रस्त मिली। इसे दोबारा से मरम्मत करने के लिए कहा गया। उन्होंने निर्देश दिए कि सेक्टर-92 के कम्प्लीशन मकानों की साफ सफाई की जाए व मकान नंबर ए-209 पर लगे टावर को हटाटे हुए नोटिस जारी कर एक्शन लिया जाए।

इसके बाद उन्होंने सेक्टर-94 ऐनिमल शेल्टर का भी निरीक्षण किया। श्री अरोड़ा ने कहा कि ऐनिमल सेंटर में मरम्मत एवं निर्माण कार्य को तेज किया जाए। साथ ही सलाहकार कंपनी को चार्ट ड्राइंग के साथ एक सप्ताह में उपस्थित होने का निर्देश दिया। ग्राम शहदरा में खाली प्लाट पर अतिक्रमण मिला। इसे हटाने के निर्देश दिए गए। यहां जल भराव की समस्या को ठीक किया जाए और निकासी के पर्याप्त इंतजाम किए जाए। निर्माण कार्यो की रोजाना की अपडेट उन्हे मुहैया कराई जाए। ताकि निर्माण कार्य समय से पूरे हो सके और खास कर गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा जाए। उनके साथ वरिष्ठ प्रबंधक सतेन्द्र गिरी तथा अन्य अधिकारी थे।

ट्रंप की खिसियाट

रूस-यूक्रेन युद्ध को रोकने के दावों में नाकाम रहने के बाद ट्रंप प्रशासन अपनी खिसियाट उन देशों पर दबाव बनाकर निकाल रहा है, जो रूस से कच्चा तेल खरीद रहे हैं। जिनमें भारत के साथ चीन व ब्राजील भी शामिल हैं। इसके लिये अमेरिका नाटो के दुरुपयोग से भी नहीं चूक रहा है। आखिर शेष विश्व के देशों के व्यापारिक मामलों में नाटो की दखल का क्या औचित्य है? नाटो महासचिव मार्क रूट्टे की रूसी तेल आयात संबंधी धमकी पर भारत द्वारा करारा जवाब दिया गया है। लेकिन इस घटनाक्रम ने एक बार फिर वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा पर पश्चिमी देशों के दोमुंहेपन को ही बेनकाब किया है। दरअसल, अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान, रूट्टे ने भारत, चीन और ब्राजील को चेतावनी दी है कि वे रूस पर यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिये दबाव बनाएं, अन्यथा दंडात्मक व्यापार शुल्क का सामना करने के लिये तैयार रहें। निश्चित रूप से रूट्टे की यह टिप्पणी अमेरिका के रूसी प्रतिबंध अधिनियम, 2025 की दिशा में बढ़ते समर्थन के साथ मेल खाती है। यह एक विधेयक है, जिसे राष्ट्रपति ट्रंप और 171 सांसदों का समर्थन प्राप्त है। यह वही विधेयक है, जो रूस के तेल, गैस, यूरेनियम या पेट्रोकेमिकल्स का व्यापार करने वाले देशों पर पांच सौ फीसदी तक शुल्क लगाने का प्रस्ताव पेश करता है। उल्लेखनीय है कि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिये पूरी तरह से आयातित तेल पर निर्भर करता है। देश अपने कच्चे तेल का 88 फीसदी आयात करता है। जिसके चलते ही भारत ने पश्चिमी देशों के दोहरे मापदंड के प्रति ही आगाह किया है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सीनेटर लिंडसे ग्राहम को नई दिल्ली की चिंताओं से अवगत कराया है। साथ ही भारत की वैध ऊर्जा आवश्यकताओं और अपनी आर्थिक दिशा स्वयं निर्धारित करने के संप्रभु अधिकार पर जोर दिया है। निश्चित रूप से दुनिया के तटस्थ और विकासशील देशों को पश्चिमी देशों की दादागीरी का पुरजोर विरोध करना चाहिए। उल्लेखनीय है कि फरवरी में रूसी तेल आयात में 14.5 फीसदी की गिरावट आने के बावजूद, मास्को भारत का शीर्ष तेल आपूर्तिकर्ता बना हुआ है। जिसने मुश्किल वक्त में अन्य देशों के पीछे हटने पर भी भारत को रियायती दर पर कच्चा तेल देने की पेशकश की थी। भारत द्वारा पश्चिमी देशों के दोहरे मापदंड अपनाने के विरोध करने का तार्किक आधार है। हकीकत यह है कि यूरोपीय देश अन्य देशों और अपरोक्ष माध्यमों से रूसी कच्चे तेल का आयात जारी रखे हुए हैं। लेकिन चाहते हैं कि ग्लोबल साउथ के देशों पर ऐसा करने पर आर्थिक प्रतिबंध लगाए जाएं। भारत तथा तुर्की में परिष्कृत रूसी तेल को यूरोपीय संघ को फिर से निर्यात किया जाना पश्चिमी देशों के खोखलेपन को ही उजागर करता है। भारत ने इस दोगली नीति के प्रति अपना मुखर विरोध दिल्ली यात्रा के दौरान नाटो महासचिव के सामने जता दिया था। भारत का स्पष्ट कहना है कि उसके निर्णय अपने राष्ट्रीय हितों के मद्देनजर लिए जाएंगे। जिसको लेकर वह किसी तरह का बाहरी दबाव स्वीकार नहीं करेगा। इस दिशा में रूस-भारत-चीन वार्ता को फिर से शुरू करने की भारत की पहल बदलते रणनीतिक संतुलन की ओर संकेत करती है। जो वैश्विक व्यवस्था में पश्चिमी वर्चस्व को चुनौती देता है। निश्चित रूप से यदि ऊर्जा सुरक्षा यूरोप के लिये अपरिहार्य है तो भारत जैसे विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिये भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। लेकिन अपने मंसूबों में विफल होने के बाद पश्चिमी देश चाहते हैं कि यूक्रेन युद्ध बंद करने के लिये रूस पर दबाव बनाने हेतु दुनिया के अन्य देश उसकी हां में हां मिलाएं। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022 में भी रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने पर अमेरिका ने रूस से भारत के तेल खरीदने को लेकर प्रश्न उठाये थे। तब भी भारत ने उसे अहसास कराया था कि हम अपने आर्थिक प्राथमिकताओं के मद्देनजर ही अपने फैसले लेंगे। जाहिर है वैश्विक व्यवस्था में कोई भी देश उसी जगह से अपनी आवश्यकता की चीजें खरीदता है, जहां उसे वे सस्ती मिलती हैं। फिर हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि रूस हमारा सदाबहार मित्र रहा है।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि योग, लग्न, ग्रह, वार और तिथि सभी अनुकूल हो गए। जड़ और चेतन सब हर्ष से भर गए। (क्योंकि) श्री राम का जन्म सुख का मूल है॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

नौमी तिथि मधु मास पुनीता। सुकल पच्छ अभिजित हरिप्रीता॥
मध्यदिवस अति सीत न घामा। पावन काल लोक बिश्रामा॥

पवित्र चैत्र का महीना था, नवमी तिथि थी। शुक्ल पक्ष और भगवान का प्रिय अभिजित मुहूर्त था। दोपहर का समय था। न बहुत सर्दी थी, न धूप (गरमी) थी। वह पवित्र समय सब लोकों को शांति देने वाला था॥

सीतल मंद सुरभि बह बाऊ। हरषित सुर संतन मन चाऊ॥
बन कुसुमित गिरिगन मनिआरा। स्त्रवहिं सकल सरिताऽमृतधारा॥

शीतल, मंद और सुगंधित पवन बह रहा था। देवता हर्षित थे और संतों के मन में (बड़ा) चाव था। वन फूले हुए थे, पर्वतों के समूह मणियों से जगमगा रहे थे और सारी नदियाँ अमृत की धारा बहा रही थीं॥

सो अवसर बिरंचि जब जाना। चले सकल सुर साजि बिमाना॥
गगन बिमल संकुल सुर जूथा। गावहिं गुन गंधर्ब बरूथा॥

जब ब्रह्माजी ने वह (भगवान के प्रकट होने का) अवसर जाना तब (उनके समेत) सारे देवता विमान सजा-सजाकर चले। निर्मल आकाश देवताओं के समूहों से भर गया। गंधर्वों के दल गुणों का गान करने लगे॥

(क्रमशः...)

कांवड़ यात्रा के साथ आम यातायात पर भी ध्यान दें

अबसे एक दिन बाद 23 जुलाई को शिवरात्रि का पर्व है। लगभग एक सप्ताह से कावंड़ यात्रा चल रही है। सड़कों पर कांवड़ियों के समूह पवित्र नदियों से जल लेकर अपने गन्तव्यों के लिए रवाना हो चुके हैं। शिवरात्रि पर जलाभिषेक के बाद कावंड़ यात्रा पूर्ण हो जाएगी। सड़कों से गुजरते भोले के भक्तों के काफिले अपनी मंजिल पर पंहुचकर अगले छह माह के लिए रूक जाएंगे। जाड़ों में दुबारा शिवरात्रि पड़ेगी, तब ये यात्रा फिर शुरू होगी। फिर कांवड़ियों के काफिलें सड़कों पर होंगे। ज्योतिर्लिंग वाले सभी प्रदेशों में इस यात्रा को देखते हुए व्यापक व्यवस्था की जाती है। अन्य शिवालयों पर भी भारी तादाद में श्रद्धालु जल चढ़ाते हैं। कई बार किसी कांवड़ से किसी के टकराने या कावड़िए के दुर्घटनाग्रस्त होने पर कावड़िए प्रायः हंगामा करते हैं। कई जगह तोड़-फोड आगजनी आदि पर उतर आते हैं, इसलिए प्रशासन पहले से सचेत रहता है। केंद्र में भाजपा सरकार आने और कई प्रदेशों में भाजपा की सरकार होने के बाद से इस कांवड़ यात्रा पर विशेष ध्यान दिया जाने लगा। इनके लिए आने-जाने के मार्ग निर्धारित होने लगे। इन कांवड़ियों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाने लगा। अधिकतर महत्वपूर्ण मार्ग इनके लिए आरक्षित किए जाने के कारण इन मार्ग के वाहन दूसरे मार्ग पर भेजे जाने लगे। इससे आम लोगों को परेशानी होने लगी। तीन घंटे का रास्ता छह से सात घंटे में पूरा होने लगा। वाहनों को 60 से 70 किलो मीटर ज्यादा चलना पड़ा। वाहनों के ज्यादा चलने के तेल ज्यादा लगा। तेल का ज्यादा लगना राष्ट्रीय नुकसान है और व्यक्ति की समय की बरबादी। व्यवस्था ऐसी बनाई जाए कि कांवड़ यात्रा भी निर्विघ्न रूप से पूरी हो और दूसरे वाहन और यात्रियों को कोई परेशानी न हो। नियमित यातायात इस यात्रा के दौरान सुगमता से चलता रहे।

आज हालत यह है कि कई दिन से उत्तर प्रदेश-दिल्ली एनसीआर और उत्तरांचल के मार्गों पर दिन में ट्रकों की आवाजाही बंद है। सड़कों के किनारे ट्रकों की लंबी-लंबी लाइन लगी है। पूरे दिन वह सड़क किनारे खड़े रहते हैं। रात में उन्हें चलने की अनुमति मिलती है। इस प्रक्रिया से राष्ट की कितनी शक्ति व्यर्थ जाती है, इसका अनुमान लगाया जा सकता है।

शिवरात्रि भगवान शिव का पर्व है। यह पर्व पूरे भारत वर्ष में मनाया जाता है। करोड़ों की संख्या में शिव के उपासक पवित्र नदियों के स्थलों से उनका जल कांवड़ में लेकर आते और शिवालयों पर जाकर चढ़ाते हैं। ज्योतिर्लिंग पर तो शिवरात्रि पर जल चढ़ाने के साथ उत्तर भारत क्या पूरे देश में यह पर्व श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। कांवड़ यात्रा कई ङ्कदिन चलती है। सड़कों पर कावड़ियों का रेला ही रेला दिखाई देता है। श्रद्धालु कावंड़ियों को ज्यादा से ज्यादा सुविधा उपलब्ध कराकर पुण्य लाभ पाने के लिए तत्पर रहतें हैं। ये कांवड़ियों मार्ग पर उनके खानेङ्कपीने की ठहरने आदि की निशुल्क व्यवस्था करते हैं। भंडारे लगाते हैं। यात्रा पर निकलने से पहले कावंड़िए तैयारी करते हैं। कांवड़, उसके सजाने आदि और अपनी यात्रा का सामान खरीदते हैं। अपने साथ चलने वाले वाहन किराए पर लेते हैं। इन पर किराए का म्युजिक सिस्टम लगाते हैं। कांवडिए की अलग तरह की भगवा रंग की टी शर्ट चल पड़ी। इसका ही अब लाखों रूपये का कारोबार बन गया। कांवड़ यात्रा से हजारों लोगों का रोजगार चलता है। इस यात्रा पर खरबों रूपये का बिजनेस होता है। इसलिए ये यात्रा होनी चाहिए। इस यात्रा की व्यवस्थाएं भी भव्य होनी चाहिए। कांवड़ियों की व्यापक सुरक्षा और बढ़िया मार्ग की व्यवस्था होनी चाहिए। जगह-जगह आपातकाल में इनके उपचार के प्रबंध हों । इनकी सुविधा के लिए कोई कसर उठकर नही रखी जानी चाहिए। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस व्यवस्था पर स्वंय नजर रखते हैं। वे कांवड़ियों पर फूलों की वर्षा भी करते हैं।

करोड़ों की संख्या में शिव के उपासक पवित्र नदियों के स्थलों से उनका जल कांवड़ में लेकर आते और शिवालयों पर जाकर चढ़ाते हैं। ज्योतिर्लिंग पर तो शिवरात्रि पर जल चढ़ाने के साथ उत्तर भारत क्या पूरे देश में यह पर्व श्रद्धा के साथ मनाया जाता है।

उत्तर भारत में सावन की शिवरात्रि पर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह रहता है। कांवड़ यात्रा के कारण उत्तर भारत में यातायात बुरी तरह प्रभावित होता है। हरिद्वार प्रशासन के अनुसार पिछले साल साढ़े चार करोड़ से ज्यादा शिवभक्त जल लेने हरिद्वार पंहुचे। 2023 में चार करोड़ श्रद्धालु आए थे। ये यात्रा अभी चल रही है, अनुमान है कि इस बार अकेले हरिद्वार से ही कांवड़ लाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या पांच करोड़ से ज्यादा हो जाएगी, किंतु कुछ स्थानों पर पूरे सावन कांवड़ चढ़ती हैं। श्रद्धालु के समूह हरिद्वार आते और जल लेकर अपने गंत्व्यों की ओर रवाना होते रहते हैं।

उत्तर भारत की इस कांवड़ यात्रा को देखते हुए उत्तरांचल, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और हरियाणा सरकार व्यापक व्यवस्थाएं करती हैं, किंतु यात्रा के समय ये सब व्यवस्थांए बौनी पड़ जाती हैं। इसी कारण कई जगह कांवड़ियों के हंगामा करने की सूचनाएं आती हैं। कुछ जगह तोड़फोड़ और आगजनी तक हो जाती है। इस सबका कारण यात्रा से कुछ पहले तैयारी करना है, जबकि इसके लिए पूरे साल तैयारी की जाती चाहिए। इसके लिए अलग से विभाग होना चाहिए, किंतु ऐसा होता नहीं।

केंद्र और राज्य सरकारों को कावंड़ियों की सुविधा के साथ आम आदमी की सुविधा का भी ध्यान रखा जाना चाहिए। व्यवस्था की जानी चाहिए कि कांवड़ यात्रा के दौरान आम यातायात प्रभावित न हो। केंद्र एक्सप्रेस वे बना रहा है ताकि यातायात के किसी वाहन को परेशानी न हो। इसके लिए कांवड यात्रा वाले प्रदेश की सरकारों का केंद्र के साथ मिल बैठ कर प्लान करना चाहिए। कावंड यात्रा वाले मार्ग पहले ही इस तरह बनाए जांए कि उसकी साइड से आम यातायात सुगमता से अनवरत चलता रहे। कांवड यात्रा वाले मार्ग पर कांवड़ यात्रियों के लिए पहले से ही दो अलग लेन बनाकर रखी जा सकती हैं। यात्रा के समय में इन पर कांवड़िए और उनके वाहन चलें, बाद में ये लेन आम ट्रैफिक के लिए प्रयोग हों। कांवड़ यात्रा वाले मार्ग पर कांवड़ यात्रियों के आराम रूकने के स्थान पहले से चिंहित हों। स्थान ऐसे हों कि यहीं कांवड़ शिविर भी लग सकें।

1990 के आसपास कांवड़ यात्रा का इतना प्रचलन नहीं था। आज यह बढ़ता जा रहा है। अब साढे चार करोड़ के आसपास कांवड़िए हरिद्वार से कांवड़ ला रहे हैं। इनकी बढ़ती संख्या को देखते हुए हो सकता है कि आने वाले कुछ सालों में यह संख्या बढ़कर दुगनी या उससे भी ज्यादा हो जाए। इसलिए हमें अभी से इसके लिए व्यवस्था बनानी होगी। प्लानिंग करनी होगी। हरिद्वार आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए हरिद्वार के लिए अतिरिक्त ट्रेन चलानी होंगी। कावंड़ यात्रा के समय आम यात्री को कांवडियों की भीड़ के कारण भारी परेशानी होती है। ट्रेन के साथङ्कसाथ इनकी संख्या को देखते हुए स्पेशल बसे चलाई जांए। कांवड़ यात्रा के कारण छात्रों की परेशानी को देखते हुए कई जगह स्कूल काँलेज बंद करने पड़तें हैं। शहरों के स्थानीय निवासियों की गतिविधि और आवागमन प्रभावित होता है, व्यवस्था ऐसे बनाई जाए कि कांवड़ यात्रा भी चले और उस क्षेत्र के आम निवासी की गतिविधि और दिनचर्या भी प्रभावित न हों। इस पार उत्तर प्रदेश और उत्तरांचल सरकार ने हुडदंग करने वाले कांवड़ियों के विरूद्ध कार्रवाई शुरू की है। ये व्यवस्था तो पहले से होनी चाहिए। भगवान शिव के भक्तों को तो बहुत सरल और सौम्य होना होगा।

- अशोक मधुप
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

क्या यही है शिक्षक का सम्मान?

शिक्षा विभाग में आए दिन नए नए परिवर्तन देखने को मिल रहे हैं। मानो शिक्षा विभाग कोई प्रयोगशाला है। बात चाहे छुट्टियों की हो या पठन-पाठन प्रक्रिया की हो। हाल ही में दो निर्णय ऐसे शिक्षा विभाग द्वारा लिए गए हैं जो किसी भी संवेदनशील अध्यापक को मर्मान्तक वेदना पहुंचाने के लिए पर्याप्त हैं। इनमें से एक है कि प्राकृतिक आपदा के कारण यदि आकस्मिक अवकाश विद्यालयों में घोषित किया जाता है, तो वह केवल छात्रों के लिए होगा। टीचिंग और नॉन टीचिंग स्टाफ को विद्यालय में आना अनिवार्य है। अन्य विभागों के कर्मचारियों की तर्ज पर शिक्षकों को अनिवार्य रूप से अपने कार्यालय में उपस्थिति दर्ज करवानी है। एक शिक्षक बंधु ऐसे सरकारी फरमान की बलि चढ़ गया। मंडी जिला के थुनाग क्षेत्र में बादल फटने की घटना से किसका मन नहीं पसीजा होगा? सरकारी आदेश के कारण अपनी सेवाएं देने के लिए मौसम के खराब होने पर भी घर से निकले सराज क्षेत्र की उच्च पाठशाला में टीजीटी के पद पर कार्यरत अध्यापक सोहन सिंह, जो एक समर्पित शिक्षक थे, उस हादसे का शिकार बन गए जिनका शरीर भी अभी तक परिवार को नहीं मिला। विभाग के ऐसे आदेश शिक्षकों के प्रति किस मानसिकता के परिचायक हैं, यह विचारणीय है। एक शिक्षक जिससे शिक्षा प्राप्त कर लोग विभिन्न विभागों में और उच्च पदों पर सेवाएं देने में सक्षम होते हैं, उस आधार को ही समाप्त कर देना चाहते हैं? जिन शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की जानी चाहिए उन्हें कटघरे में खड़ा कर विकास के सपने देखने वालों को नैतिक शिक्षा देने में शायद शिक्षक ही चूक गए हैं।

या कारण और भी हैं, ये जानने का प्रयास भी किया जाना चाहिए। दूसरा फरमान जारी हुआ है शिक्षकों के सम्मान को लेकर। शिक्षक दिवस पर शिक्षकों को सम्मानित करने की प्रथा है। एक न्यूज चैनल पर प्रसारित है- 'राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2025 - हिमाचल प्रदेश के शिक्षकों से आवेदन करने का आह्वान। राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2025 के लिए आवेदन कर इस प्रतिष्ठित सम्मान प्रक्रिया में भाग लें। हिमाचल प्रदेश शिक्षा विभाग ने राज्य भर के शिक्षकों से आग्रह किया है कि वे राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2025 के लिए आवेदन कर इस प्रतिष्ठित सम्मान प्रक्रिया में भाग लें। यह पुरस्कार भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा घोषित किए गए हैं। राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार विद्यालयी शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षकों को प्रति वर्ष शिक्षक दिवस (5 सितंबर) के अवसर पर भारत के राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किए जाते हैं। यह पुरस्कार उन शिक्षकों को सम्मानित करता है जिन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी नवाचार, समर्पण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण कार्य किया हो। इस वर्ष मंत्रालय ने सरकारी एवं सहायता प्राप्त स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों से स्व-नामांकन आमंत्रित किए हैं। ऐसे शिक्षक जो शिक्षण और समुदाय के बीच सकारात्मक प्रभाव डालने में सफल रहे हैं, वे निम्नलिखित

पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं।' देश के राष्ट्रपति रहे माननीय राधाकृष्णन सर्वपल्ली जी ने अपने जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लेकर शिक्षक होने के गौरव और सम्मान को बढ़ाया था। उसी दिन से शिक्षा जगत में उत्कृष्ट सेवाएं देने वाले शिक्षकों को सम्मानित करने की परंपरा का निर्वहन किया जाता है। इस सम्मान को प्राप्त करने के लिए शिक्षकों द्वारा आवेदन किया जाता है। या यूं भी कह सकते हैं कि शिक्षक अपनी योग्यताएं बताते हैं कि हमने फलां फलां कार्य किए हैं, हमें सम्मानित किया जाए। क्या यही शिक्षक सम्मान है? क्या आज के तकनीकी युग में विभाग के पास ऐसे प्रावधान नहीं हैं कि वास्तव में सम्मान के अधिकारी शिक्षकों का चयन वे निष्पक्ष होकर स्वयं कर सकें।

साथी शिक्षकों का अपमान कर सोशल मीडिया पर अपनी उपलब्धियों का दिखावा करने वाले स्कूल प्रमुख यदि सम्मान पाते हैं, यदि केवल तस्वीरों को आधार बना कर मूल्यांकन करना सम्मान की प्रक्रिया को पूरा करने के लिए उचित कदम है, तो रुकिए और विचार कीजिए हम किस दिशा और दशा की तरफ देश की शिक्षा व्यवस्था को ले जा रहे हैं। एक बात और स्पष्ट कहना चाह रही हूं कि जब कार्य सम्मान को पाने की चाह में किया जाता है तो उसमें दिखावा अधिक और वास्तविकता कम होती है। शिक्षाविदों को, अधिकारियों को इस ओर विशेष ध्यान देना चाहिए। सम्मान पाने का वास्तविक अधिकारी कौन है? जो सरकारी फरमानों की बलि चढ़ गया या वो जिसने अपना सरकारी सेवाकाल उन दस्तावेजों को तैयार करवाने में लगा दिया ताकि वह शिक्षक सम्मान प्राप्त कर सके। जिसने सम्मान प्राप्ति की चाहत में न जाने कितने शिक्षकों के आत्मसम्मान को कुचल दिया। न जाने कितने छात्रों के जीवन और भविष्य को दाव पर लगा दिया। ऐसे महत्वाकांक्षी व्यक्ति जब शिक्षक दिवस पर सम्मान के अधिकारी घोषित किए जाएंगे तो निश्चित रूप से पूरी शिक्षा व्यवस्था का ढांचा चरमरा कर गिर जाएगा। आवेदक शिक्षक बंधुओं को विचार करना चाहिए कि उनकी गरिमा क्या है? उस सम्मान के क्या मायने हैं, जो मांगने पर मिलता है। क्या ये सब करके हम उस महापुरुष की आत्मा को सच्ची श्रद्धांजलि दे पाएंगे, जिन्होंने देशहित के लिए समर्पित भाव से कार्य किया है। दोनों फरमानों को ध्यान में रखते हुए जरा सोचिए अपने अन्तर्मन को टटोलिए कि क्या यही शिक्षक का सम्मान है?

आज देश को ऐसे शिक्षकों की आवश्यकता है जो सही मायने में छात्रहित और देशहित के लिए कार्य करते हैं। दिखावे के लिए या तस्वीरें खिंचवाने के लिए काम नहीं करते। स्कूलों में यदि नए-नए प्रयोग किए जा रहे हैं तो वे कितने छात्रहितकारी हैं? कहीं ऐसा तो नहीं कि वेलफेयर फंड किसी की महत्वाकांक्षा की भेंट चढ़ रहा है। सरकारी स्कूलों में नौकरी पाने वाले अध्यापक बहुत कठिन परीक्षाओं के दौर से गुजरते हैं, तब वे सरकारी शिक्षक बनते हैं। ऐसे शिक्षक निश्चित रूप से अपनी बेहतरीन सेवाएं देकर छात्रों को लाभान्वित कर सकते हैं। जिस भी विषय को पढ़ाने के लिए वे चयनित होकर आए हैं, यदि उस विषय में वे छात्रों को पारंगत बनाते हैं तो निश्चित रूप से सम्मान के अधिकारी हैं। यदि विज्ञान पढ़ाने वाला अध्यापक अपने छात्रों में रोजमर्रा के जीवन में विज्ञान का प्रयोग करना सिखा देता है तो उसका अध्यापन तो सफल हो गया। यदि हिंदी पढ़ाने वाला अध्यापक छात्रों को साहित्य का मर्म समझा पाया, तो वह सम्मान का हकदार है।

प्रियंवदा शर्मा
शिक्षाविद

राशिफल

श्रावण माह, कृष्ण पक्ष, द्वदशी | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
व्यावसायिक सफलता मिलेगी। अपनों का साथ होगा। पराक्रम रंग लाएगा। स्वास्थ्य अच्छा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
धन आगमन होगा। कुटुंबों में वृद्धि होगी। सधी हुई जुबान का प्रयोग करें। स्वास्थ्य, प्रेम व व्यापार बहुत अच्छा रहेगा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
ओजस्वी, तेजस्वी बने रहेंगे। आकर्षण के केंद्र बने रहेंगे। शुभता के प्रतीक बने रहेंगे।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
खर्च की अधिकता रहेगी, यद्यपि शुभ कार्यों में खर्च होगा। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी है। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
आय के नए स्रोत बनेंगे, पुराने सोर्स से भी पैसे आएंगे। यात्रा का अत्यंत लाभकारी योग बनेगा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
व्यापारिक सफलता मिलेगी। कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा, प्रेम- संतान का साथ होगा

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
भाग्य साथ देगा। यात्रा का योग बनेगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे। स्वास्थ्य, प्रेम व व्यापार बहुत अच्छा रहेगा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
जीवनसाथी का सानिध्य मिलेगा। नौकरी चाकरी की स्थिति बहुत अच्छी होगी। प्रेमी-प्रेमिका की मुलाकात होगी।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
शत्रु भी मित्रवत व्यवहार करेंगे। नतमस्तक हो जाएंगे। गुण-ज्ञान की प्राप्ति होगी। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
बच्चे आज्ञा का पालन करेंगे। प्रेम में नयापन रहेगा। कोई निर्णय ले पाएंगे। विद्यार्थियों के लिए अच्छा समय।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
भूमि, भवन व वाहन की खरीदारी का उत्तम योग बन रहा है। घर में कोई उत्सव संभव है।

उत्तर प्रदेश ही नहीं देश का सर्वोत्तम शहर बन गया है नोएडा

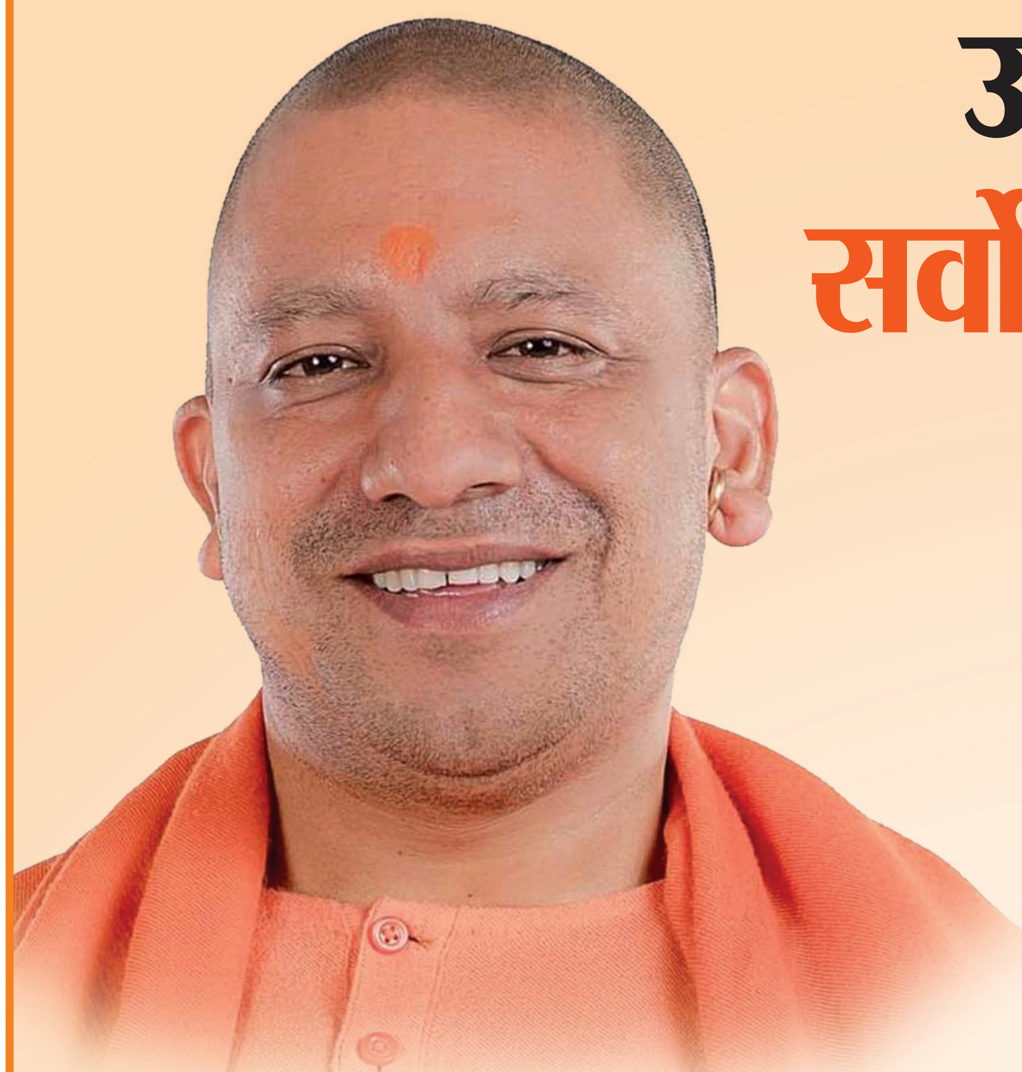

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश को देश का सर्वश्रेष्ठ प्रदेश बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री के व्यापक विजन का ही परिणाम है कि उत्तर प्रदेश का प्रमुख औद्योगिक शहर नोएडा बहुत तेजी के साथ प्रगति कर रहा है। मॉर्डन इंफ्रास्ट्रक्चर के कारण नोएडा शहर ने लिविंग स्टैंडर्ड के नए आयाम स्थापित कर दिए हैं। नोएडा शहर आज उत्तर प्रदेश ही नहीं देश का सर्वोत्तम शहर बन गया है। देश के नागरिक नोएडा को हार्ट ऑफ इंडिया यानि कि भारत का दिल भी कहने लगे हैं। पिछले सात साल में नोएडा ने विकास के नए-नए आयाम स्थापित किए हैं। आज भी नोएडा प्राधिकरण की तरफ से नोएडा में नई योजनाएं लाई जा रही हैं। नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम ने बताया कि नोएडा में विश्व स्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर मौजूद है। उनका कहना है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशन में नोएडा लगातार तेजी के साथ विकास की नई कहानी लिख रहा है। नोएडा शहर के विकास पर एक नजर डालें

नोएडा शहर जितना विकास कर रहा है उस विकास को इस लेख में समेटना संभव नहीं है। नोएडा के पूरे विकास को समेटने के लिए तो एक बड़ी किताब भी कम पड़ जाएगी। पाठकों की सुविधा के लिए नोएडा के विकास के कुछ प्रमुख बिन्दु यहां प्रकाशित किए जा रहे हैं।

नोएडा प्राधिकरण ने शुरू कर दी है न्यू नोएडा को धरातल पर उतारने की तैयारी

नोएडा प्राधिकरण की कमान उत्तर प्रदेश के प्रसिद्ध IAS अधिकारी डॉ. लोकेश एम के हाथों में है। नोएडा प्राधिकरण के CEO के तौर पर डॉ. लोकेश एम को ही न्यू नोएडा शहर को बसाने का काम करना है। नोएडा प्राधिकरण के CEO डॉ. लोकेश एम ने न्यू नोएडा को बसाने की दिशा में ठोस कदम उठाया है। उन्होंने गौतमबुद्धनगर तथा बुलंदशहर के जिलाधिकारियों के साथ बैठक करके न्यू नोएडा शहर के लिए भूमि अधिग्रहण का काम शुरू करने की योजना बनाई है। न्यू नोएडा शहर को बसाने के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया को बहुत ही आसान रखने की योजना पर सहमति बन गई है। नोएडा प्राधिकरण ने तय किया है कि न्यू नोएडा शहर के लिए किसानों से उनकी भूमि को आपसी सहमति के आधार पर खरीदकर अधिग्रहित किया जाएगा। इस काम के लिए नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने हाल ही में एक उच्च स्तरीय बैठक की है। इस उच्च स्तरीय बैठक में न्यू नोएडा शहर के लिए अधिसूचित किए गए 84 गांवों के किसानों की जमीन के अधिग्रहण का काम शुरू करने का फैसला किया गया है।

ग्रेटर नोएडा के दादरी से बुलंदशहर के सिकंदराबाद तक बसेगा न्यू नोएडा

उत्तर प्रदेश सरकार पहले ही घोषणा कर चुकी है कि यू नोएडा शहर भविष्य का सबसे सुन्दर शहर होगा। न्यू नोएडा शहर को दादरी नगर से लेकर सिकंदराबाद तक 84 गांवों की जमीन पर बसाया जाएगा। न्यू नोएडा शहर को बसाने के लिए वर्ष-2041 तक का मास्टर प्लान बनाया गया है। अनुमान लगाया गया है कि वर्ष-2041 तक न्यू नोएडा शहर की आबादी 37 लाख तक हो जाएगी। न्यू नोएडा शहर को कुल 8230 हेक्टेयर जमीन पर बसाया जाएगा। यह पूरी जमीन दादरी से सिकंदराबाद तक के 84 गांवों के किसानों से ली जाएगी। न्यू नोएडा शहर का विकास चार चरणों में किया जाएगा। पहला चरण 2027 तक पूरा किया जाएगा। पहले चरण में 3165 हेक्टेयर जमीन पर न्यू नोएडा शहर का विकास होगा। दूसरा चरण वर्ष-2032 तक पूरा होगा। इस चरण में 3798 हेक्टेयर जमीन पर न्यू नोएडा शहर का विकास होगा। तीसरा चरण वर्ष-2037 तक पूरा होगा। इस चरण में 5908 हेक्टेयर जमीन पर न्यू नोएडा शहर का विकास होगा। इस प्रकार वर्ष-2041 तक 8230 हेक्टेयर जमीन पर न्यू नोएडा शहर विकसित हो जाएगा। नोएडा प्राधिकरण के CEO डॉ. लोकेश एम का सपना है कि न्यू नोएडा शहर सर्वश्रेष्ठ शहर बनकर उत्तर प्रदेश के विकास में मील का पत्थर बने।

नोएडा प्राधिकरण को मिला न्यू नोएडा शहर बसाने का बड़ा काम

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश के सर्वांगीण विकास पर फोकस किए हुए हैं। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री ने न्यू नोएडा शहर बसाने की भी घोषणा की हुई है। नोएडा प्राधिकरण के बेहतरीन काम को देखते हुए न्यू नोएडा शहर को बसाने का बहुत बड़ा काम नोएडा प्राधिकरण को मिला है। नोएडा को विस्तार देते हुए न्यू नोएडा शहर बसाने का प्रस्ताव पहले ही पास किया जा चुका है। न्यू नोएडा शहर को एशिया का सबसे सुंदर शहर बसाने की योजना बनाई गई है। उत्तर प्रदेश सरकार का दावा है कि न्यू नोएडा शहर भारत ही नहीं बल्कि एशिया का सबसे सुंदर शहर होगा। न्यू नोएडा शहर को धरातल पर उतारने की जिम्मेदारी नोएडा प्राधिकरण को सौंपी गयी है।

- ट्रैफिक को स्मूथ बनाए रखने के लिए जहां पर्थला ओवरब्रिज, डीएससी मार्ग पर 4.5 किलोमीटर की एलिवेटेड रोड, कई अंडरपास इत्यादि बनाए गए हैं वहीं पहले से निर्मित सड़क मार्गों और सर्विस लेन्स का सुंदरीकरण और चौड़ीकरण भी लगातार जारी है।
- क्वालिटी एजुकेशन के महत्व को समझते हुए नए और विकसित हो रहे सैक्टर्स में आधुनिक स्कूल्स खोले गए हैं।
- नौएडा में बढ़ती आबादी को देखते हुए आधुनिक सुविधाओं और मैडिकल इंफ्रा से लैस हैल्थकेयर सेंटर्स भी खोले जा रहे हैं।
- इस प्लान में शहर के विस्तार को देखते हुए ग्रीन स्पेसेज का विस्तारीकरण, इको पार्क्स, ग्रीन कॉरिडोर्स, और सोलर इंफ्रा को भी विकसित किया जा रहा है।
- मास्टरप्लान में बढ़ती आबादी को ध्यान में रखते हुए स्मार्ट ट्रैफिक मैनेजमेंट, वेस्ट डिस्पोजल सिस्टम, सीवेज सिस्टम, इलेक्ट्रिसिटी ग्रिड्स का विस्तार इत्यादि भी किया जाएगा।
- उत्तर प्रदेश सरकार ने इंफ्रा डेवलवमेंट को फास्ट ट्रैक मोड में डाल दिया है ताकि आवासीय और कारोबारी विकास के साथ-साथ प्रदूषण नियंत्रण और स्पोर्ट्स से जुड़ी सुविधाओं का काम जल्द पूरा हो सके।
- उत्तर भारत में बढ़ता प्रदूषण गंभीर समस्या है। धूल से होने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए 70 वाटर स्प्रिंकलर्स काम कर रहे हैं। इनके लिए पानी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट्स से जुटाया जाता है।
- नौएडा भारत सरकार के ODF योजना के प्रति पूर्णत: प्रतिबद्ध है। इसके लिए पब्लिक टॉयलेट बन भी चुके हैं और बनाए भी जा रहे हैं। अभी तक 120 यूरिनल ब्लॉक्स, 117 पब्लिक टॉयलेट्स और 67 कम्यूनिटी टॉयलेट्स बनाए जा चुके हैं। प्रधिकारण को स्वच्छ सर्वेक्षण में ODF++ सर्टिफाई किया गया है।
- बच्चों और महिलाओं की सुविधा का ध्यान रखते हुए पिंक टॉयलेट्स की फैसिलटी दी गई है। इनमे सैनिटरी नैपकिन डिस्पोजल, चेंजिंग रूम, ब्रैस्ट फीडिंग प्लेस इत्यादि की सुविधाएं भी शामिल हैं।
- स्पोर्ट्स सैक्टर में यहां विश्व स्तरीय सुविधाएं हैं। यहां मल्टीपर्पज इंडोर स्टेडियम, गोल्फ कोर्स, ड्राइविंग रेंज के साथ-साथ सैक्टर 21 में बना क्रिकेट स्टेडियम भी है। लगभग 84.14 करोड़ की लागत से बने इस स्टेडियम में 25000 लोगों के बैठने की सुविधा है।

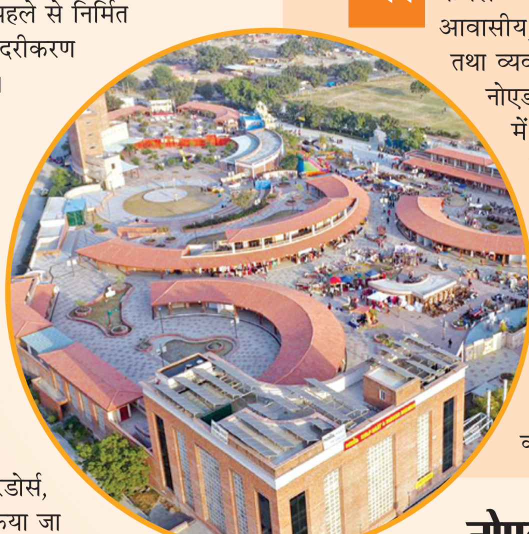

नोएडा ही नहीं पूरे एनसीआर का प्रमुख टूरिस्ट स्पॉट बनेगा नोएडा का वेस्ट-टू-वंडर पार्क

नोएडा प्राधिकरण केवल औद्योगिक, आवासीय, शैक्षणिक तथा व्यवसायिक गतिविधियों का ही विकास नहीं कर रहा है। नोएडा प्राधिकरण ने नोएडा को एक बड़ा टूरिस्ट स्पॉट बनाने का काम भी किया है। हाल ही में नोएडा में वेस्ट-टू-वंडर पार्क बनकर तैयार हो गया है। नोएडा ही नहीं बल्कि पूरे एनसीआर के नागरिकों के लिए वेस्ट-टू-वंडर पार्क एक शानदार पर्यटन स्थल साबित होगा।

पीपीपी मॉडल पर बना यह शहर का पहला पार्क है। इसमें प्रवेश के लिए टिकट भी लगेगा। अभी तक प्राधिकरण व पार्क बनाने वाली कंपनी ने 100 रुपये का टिकट रखने की योजना बनाई है। इसमें से 10 रुपये प्राधिकरण को मिलेंगे। 500 से ज्यादा वाहनों की पार्किंग पार्क में दो जगहों पर होगी। पार्किंग से 50 प्रतिशत धनराशि प्राधिकरण को मिला करेगी। इस धनराशि के लिए पार्क बनाने और संचालन करने वाली कंपनी व प्राधिकरण का एस्क्रो अकाउंट खुलेगा। पार्क खोलने की तारीख जल्द तय होगी।

नोएडा में 25 करोड़ रूपए की लागत से बना है अद्भुत वेस्ट-टू वंडर पार्क

नोएडा शहर के सेक्टर-94 महामाया फ्लाईओवर और ओखला पक्षी विहार के बीच यह पार्क करीब 18.27 एकड़ में बनाया गया है। प्राधिकरण के उद्यान विभाग ने बताया कि पार्क का निर्माण पूरा हो गया है। हरियाली की सजावट और उसको आकार देने का काम अंतिम चरण में है। पार्क का निर्माण जून-2024 में शुरू हुआ था। करीब 25 करोड़ रुपये की लागत यह पार्क बनाने में आई है। पार्क के अंदर ऑस्ट्रेलिया, अफ्रीका, एशिया के जानवरों व समुद्री जीवों की आकृतियां अलग-अलग जोन में लगाई गई हैं। इन जोन में गोल्फ कार्ट पर गाइड के साथ घुमाने की सुविधा होगी। पार्क रात 10 बजे तक खुला रहेगा। अंदर बच्चों के लिए बोटिंग और स्पोर्ट्स एरिना भी बनेगा। जगह-जगह पर सेल्फी प्वॉइंट होंगे। पेट पार्क भी होंगे। ग्रेनो एक्सप्रेसवे पर दोनों तरफ से पार्क में प्रवेश मिलेगा। महामाया फ्लाईओवर से पहले बाएं तरफ पिंक शौचालय से प्रवेश करने पर वाहन पार्किंग मिलेगी और फिर फुट ओवरब्रिज से दूसरी तरफ जा सकेंगे। ग्रेटर नोएडा से नोएडा की तरफ आने पर सेक्टर-94 चरखा गोलचक्कर से आगे बढ़ते ही बाएं तरफ से प्रवेश मिलेगा। इस तरफ भी वाहनों की पार्किंग होगी।

यूपी की सांस्कृतिक विरासत को नई पहचान देगा नोएडा का क्लॉक टॉवर

नोएडा प्राधिकरण विकास के साथ ही साथ सांस्कृतिक विरासत को भी बढ़ावा दे रहा है। उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को नई पहचान देने के मकसद को नोएडा शहर में 70 फुट ऊंचा क्लॉक टॉवर स्थापित किया जा रहा है। नोएडा प्राधिकरण ने नोएडा के सेक्टर-38 में क्लॉक टॉवर स्थापित किया है।

नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों का दावा है कि सब कुछ प्लान के मुताबिक हुआ तो 15 अगस्त से पहले यह बनकर तैयार हो जाएगा। क्लॉक टावर की ऊंचाई 70 फुट होगी। इसकी खूबसूरती निखारने के लिए पुलिस चौकी को यहां शिफ्ट किया जाएगा। नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम का कहना है देश-दुनिया में उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को नई पहचान देने की कड़ी में इसका निर्माण कराया जा रहा है। क्लॉक टावर के चारों ओर उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत की झलक दिखेगी। नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम ने बताया कि क्लॉक टावर का निर्माण करा रही कंपनी ही इसके चारों ओर घड़ियां लगवाएगी, जो सौर ऊर्जा से चलेंगी।

ग्रामीण नागरिकों की सुविधा के लिए 181 करोड़ की लागत से बनेंगे दो अंडरपास

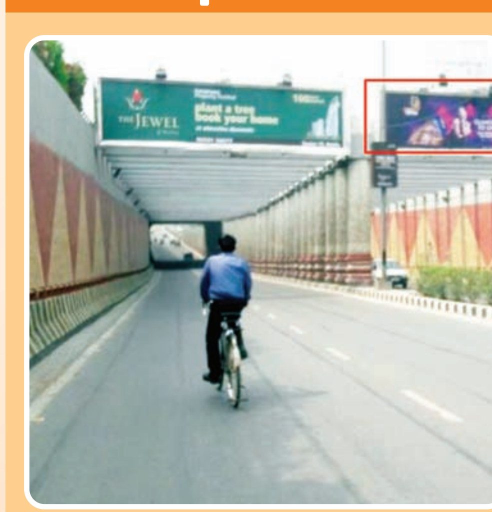

नोएडा प्राधिकरण ने विकास के मॉडल में हमेशा से ग्रामीण विकास को सबसे ऊपर रखा है। शहरी विकास के साथ ही साथ ग्रामीण विकास को भी लगातार बढ़ाया जा रहा है। नोएडा प्राधिकरण ग्रामीणों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने का अभियान भी चला रहा है। नोएडा क्षेत्र के ग्रामीणों को अधिक से अधिक कनेक्टिविटी देने के मकसद से नोएडा प्राधिकरण ने बड़ा फैसला किया है। नोएडा प्राधिकरण का बड़ा फैसला यह है कि नोएडा तथा ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर दो बड़े अंडरपास बनाए जाएंगे। झट्टा तथा सुल्तानपुर गाँवों के पास बनने वाले अंडरपास के निर्माण पर 181 करोड़ रूपए की बड़ी धनराशि खर्च की जाएगी। एक्सप्रेसवे पर अंडरपास बनाने के लिए नोएडा प्राधिकरण ने कंपनी का चयन भी कर लिया है।

आधुनिक तकनीक से किया जाएगा अंडरपास का निर्माण

नोएडा प्राधिकरण ने दोनों अंडरपास बनाने के काम में आधुनिक तकनीक का प्रयोग करने का फैसला किया है। दोनों अंडरपास में तकनीक का बदलाव किया गया है। वर्ष-2020 के बाद एक्सप्रेसवे पर कोंडली, एडवंट और सेक्टर-96 अंडरपास बॉक्स पुशिंग तकनीक से बनाए गए थे। इसमें लगातार एक्सप्रेसवे की सड़क धंसने की समस्याएं सामने आई थीं। इसलिए प्राधिकरण झट्टा और सुल्तानपुर अंडरपास डायाफ्राम तकनीक से बनवाएगा। इस विधि से बगैर खुदाई के डायाफ्राम वॉल कास्ट की जाएगी। इसके बाद दोनों तरफ जमीन के अंदर दीवार बनाकर उसके ऊपर अंडरपास की छत ढाल दी जाएगी। नीचे दोनों दीवारों व छत के बीच की मिट्टी खुदाई कर निकाली जाएगी। इसके बाद नीचे की सड़क का काम शुरू होगा।

नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर पहला अंडरपास 16.900 किमी चैनेज पर सेक्टर-145, 146 155 और 159 के बीच बनाया जाएगा। इसकी लंबाई 800 मीटर होगी। इसके निर्माण कार्य में करीब 99.74 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इससे नव औद्योगिक सेक्टर-151, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 162 और 9 गांव को लाभ मिलेगा। वहीं दूसरा अंडरपास सुल्तानपुर गांव के पास 6.10 किमी चैनेज पर सेक्टर-128, 129, 132 और 108 के बीच बनेगा। इसकी लंबाई 731 मीटर होगी। इसके निर्माण पर 81.61 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। इस अंडरपास से सेक्टर-104, 105, 106, 107, 108, 110, 80, 81, 82, 83, 127, 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, फेज-2, एनएसईजेड एवं 11 गांव को लाभ मिलेगा।

पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित परिवारों को मिलेगा भूमि स्वामित्व : मुख्यमंत्री

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में पूर्वी पाकिस्तान (वर्तमान बांग्लादेश) से विस्थापित होकर राज्य के विभिन्न जिलों में बसाए गए परिवारों को विधिसम्मत भूस्वामित्व अधिकार देने की दिशा में ठोस कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केवल भूमि के हस्तांतरण का मामला नहीं है, बल्कि उन हजारों परिवारों के जीवन संघर्ष को सम्मान देने का अवसर है, जिन्होंने देश की सीमाओं के उस पार से भारत में शरण ली और दशकों से पुनर्वास की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि इन परिवारों के साथ संवेदना के साथ-साथ यथोचित सम्मानपूर्वक व्यवहार किया जाए। यह शासन की नैतिक जिम्मेदारी है।

अधिकारियों ने बताया कि विभाजन के पश्चात 1960 से 1975 के बीच पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित होकर आए हजारों परिवारों को उत्तर प्रदेश के पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बिजनौर और रामपुर जनपदों में पुनर्वासित किया गया था। प्रारंभिक वर्षों में इन परिवारों को ट्रांजिट कैंपों के माध्यम से विभिन्न गांवों में बसाया गया और भूमि आवंटन भी किया गया, किंतु कानूनी और अभिलेखीय विसंगतियों के चलते अधिकांश को आज तक वैध भूमिधरी अधिकार प्राप्त नहीं हो सके हैं।

मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि जनपद पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बिजनौर सहित कई जिलों में पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित होकर आए परिवारों को वर्षों पूर्व बसाया गया था और उन्हें कृषि भूमि भी आवंटित की गई थी। हालांकि, समय के साथ अभिलेखीय त्रुटियाँ, भूमि का वन विभाग के नाम दर्ज होना, नामांतरण की प्रक्रिया लंबित रहना अथवा भूमि पर वास्तविक कब्जा न होने जैसी कई प्रशासनिक व कानूनी जटिलताओं के चलते इन परिवारों को अब तक विधिसम्मत भूस्वामित्व अधिकार प्राप्त नहीं हो सके हैं। कुछ स्थानों पर अन्य राज्यों से आए विस्थापित भी बसाए गए हैं, जो आज भी भूमि स्वामित्व से वंचित हैं।

अद्यतन स्थिति के अनुसार, एक ओर जहाँ कई गांवों में वर्षों से खेती कर रहे परिवारों ने भूमि पर स्थायी आवास बना लिए हैं, वहीं राजस्व अभिलेखों में उनके नाम आज भी दर्ज नहीं हैं। दूसरी ओर, कुछ ग्रामों में वास्तव में आज भी उन परिवारों का कोई अस्तित्व नहीं है, जिन्हें पहले वहां बसाया गया था। कई परिवारों ने बिना कानूनी प्रक्रिया अपनाए भूमि पर कब्जा किया है, जिससे समस्या हो रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन मामलों में पूर्व में भूमि का आवंटन गर्वनमेंट ग्रांट एक्ट के तहत हुआ था, उन्हें ध्यान में रखते हुए वर्तमान विधिक ढांचे में नए विकल्प तलाशे जाएं, क्योंकि यह अधिनियम 2018 में निरस्त किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह संवेदनशील प्रयास दशकों से उपेक्षित विस्थापित परिवारों के लिए एक नई उम्मीद और गरिमापूर्ण जीवन का द्वार खोलने वाला साबित हो सकता है। इसे केवल पुनर्वास नहीं, बल्कि 'सामाजिक न्याय, मानवता और राष्ट्रीय जिम्मेदारी' के रूप में देखना चाहिए।

लखनऊ स्थित सरकारी आवास पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'जनता दर्शन' में विभिन्न जनपदों से आए लोगों की समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री ने जन-समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

सिस्टम के गाल पर तमाचा है शारदा यूनिवर्सिटी काण्ड

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा की शारदा यूनिवर्सिटी एक बार फिर चर्चा में है। यह पहला मौका नहीं है जब ग्रेटर नोएडा में स्थापित शारदा यूनिवर्सिटी चर्चा का विषय बनी है। शारदा यूनिवर्सिटी में मेडिकल जैसी मुश्किल पढ़ाई करके देश तथा समाज की सेवा का सपना देखने वाली होनहार छात्रा ज्योति की मौत कोई साधारण घटना नहीं है। शारदा यूनिवर्सिटी में घटी यह घटना पूरे सिस्टम के गाल पर एक बड़ा तमाचा है। इस घटना ने हमारी शिक्षा व्यवस्था के साथ ही साथ पूरे सिस्टम के ऊपर बड़ा सवालिया निशान लगाया है।

आपको याद दिला दें कि, ग्रेटर नोएडा में स्थित शारदा यूनिवर्सिटी में बीडीएस (मेडिकल)की पढ़ाई करने वाली होनहार छात्रा ज्योति ने 18 जुलाई की रात में आत्महत्या कर ली। आत्महत्या की इस खबर ने हर सभ्य नागरिक को अंदर तक हिला दिया है। सबको पता है कि आत्महत्या करना कितना कठिन काम होता है। शारदा यूनिवर्सिटी में मेडिकल की पढ़ाई कर रही 21 वर्षीय ज्योति के सामने एक सुनहरा भविष्य मौजूद था। अपने सुनहरे भविष्य को छोड़कर ज्योति ने अपनी जान लेने का का फैसला अकस्मात तो नहीं किया होगा। ज्योति के कमरे से मिला सुसाइड नोट चिल्ला-चिल्लाकर बता रहा है कि उस होनहार बेटी को हद से

अधिक टॉर्चर किया गया था। इतनी बड़ी घटना होने के बावजूद शारदा यूनिवर्सिटी के मालिक, पुलिस तथा प्रशासन केवल जांच-जांच खेल रहे हैं। नोएडा कमिश्नरी पुलिस ने दो नामजद आरोपियों को गिरफ्तार करके जेल जरूर भेजा है किन्तु ज्योति जैसी किसी छात्रा को फिर कभी आत्महत्या की हद तक ना जाना पड़े इस स्तर की कार्यवाही होती हुई नजर नहीं आ रही है। आपको बता दें कि, नोएडा कमिश्नरी पुलिस को ज्योति के कमरे से उसका फोन, लैपटॉप तथा एक डायरी मिली है। माना जा रहा है कि ज्योति की डायरी में शारदा यूनिवर्सिटी का काला सच दर्ज है। ज्योति के दोस्तों का कहना है कि ज्योति ने अपनी डायरी में पूरी आपबीती लिखी हुई है। ज्योति को एक छात्रा दोस्त का कहना है कि एक प्रोफेसर ने ज्योति को बाल बड़े होने पर उसे डांटा था और उस पर बाल कटवाने का दबाव बनाया था। इसके बाद ज्योति ने अपने बाल कटवा लिए थे। दोस्तों ने आरोप लगाया कि प्रोफेसर द्वारा उसे ताने मारे जाते थे। गुरुग्राम निवासी ज्योति के पिता रमेश जांगड़ा ने बताया कि उनकी बेटी ज्योति ने यूनिवर्सिटी फैकल्टी की ओर से उत्पीड़न करने की शिकायत की थी। बेटी के कहने पर वह सोमवार को यूनिवर्सिटी पहुंचे थे। उनकी डीन और एचओडी के साथ बातचीत हुई थी। इन दोनों ने आश्वासन दिया था कि भविष्य में ज्योति के साथ इस तरह की कोई बात नहीं होगी। इसके बावजूद ज्योति को परेशान और प्रताड़ित किया जाता रहा।

ज्योति ने सुसाइड नोट में लिखा है कि "अगर मेरी मौत हो जाती है तो पीसीपी और डेंटल मटेरियल के टीचर जिम्मेदार होंगे। मेरी मौत के लिए महेंद्र सर और सैरी मैम जिम्मेदार हैं। मैं चाहती हूं कि वे सलाखों के पीछे जाएं। उन्होंने मुझे मानसिक रूप से परेशान किया। उन्होंने मुझे अपमानित किया। मैं उनके कारण लंबे समय से डिप्रेशन में हूं। मैं चाहती हूं कि उन्हें भी इसी तरह का सामना करना पड़े। मैं माफी चाहती हूं। मैं अब इस तरह नहीं जी सकती।"

कांवड़ियों ने स्वास्थ्यकर्मियों से की शिविर में मारपीट

गाजियाबाद(चेतना मंच)।। मेरठ रोड स्थित कनौजा गांव के पास हनुमान मंदिर से सटे चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर में स्वास्थ्य कर्मियों के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। इलाज में देरी का आरोप लगा कांवड़ियों ने स्वास्थ्यकर्मियों के साथ मारपीट कर दी। इस दौरान रखी दवाएं भी फेंक दीं और

इंजेक्शन नष्ट कर दिए। मौके पर पुलिस ने हालात संभालने का प्रयास किया तो एक दारोगा की वर्दी भी फाड़ दी। पुलिस ने एक आरोपित को हिरासत में लिया है।

कांवड़ियों का यह उग्र रवैया शासन और प्रशासन दोनों के लिए मुसीबत का सबब बना हुआ है। पिछले 5 दिन में कांवड़ियों के उत्पात से जुड़ी कई घटनाएं पुलिस प्रशासन के लिए चुनौती बनी हुई है। रविवार देर रात में तो कांवड़ियों ने एकदम हद कर दी।

मेरठ रोड स्थित कनोज गांव के पास हनुमान मंदिर से सटे चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर में कावड़ियों ने जमकर उत्पात मचाया। तोड़फोड़ करने के बाद स्वास्थ्य कर्मियों पर डंडे बरसा दिए। कुछ कावड़ियों को भी हिरासत में लिया है।

पता चला है कि चिकित्सा शिविर में तोड़फोड़ के दौरान दवाई भी खराब हो गई है और इंजेक्शन भी नष्ट हो गए। पुलिस के जवान आसपास घूमते रहे लेकिन इन कावड़ियों का विरोध करने की वह हिम्मत नहीं जुटा पाए।

गाजियाबाद के इस शिव मंदिर में लगती है श्रद्धालुओं की भीड़

गाजियाबाद। मोदीनगर के छतरी वाले शिव मंदिर की गिनती क्षेत्र में मुख्य शिव मंदिरों में होती है। यहां महादेव के अलावा देवी दुर्गा, भगवान सत्यनारायण, हनुमान, राधा-कृष्ण विराजमान हैं। छतरी वाला मंदिर के भगवान शिव की महिमा भी बहुत प्रसिद्ध है।

श्रावण मास में कांवड़ यात्रा के दौरान आसपास के कांवए यहां जल चढ़ाते हैं। मोदीनगर बसस्टेंड के पास होने के चलते भक्त बस,आटो व अन्य किसी माध्यम से सहजता से यहां पहुंच सकते हैं। छतरी वाला मंदिर से जुड़े लोग बताते हैं कि मंदिर कई सौ वर्ष पुराना है। जिसकी जड़े मराठा इतिहास तक जाती है। मान्यता है कि एक बार छत्रपति शिवाजी महाराज यहां होकर गुजर रहे थे। उस दौरान उन्होनें मोदीनगर के

निकट रात्रि विश्राम किया था। तब शिवाजी महाराज ने दर्शन किए और मंदिर पर छत्र चढ़ाया। जिसके बाद से यह मंदिर छतरी वाले मंदिर के नाम से मशहूर हो गया। मोदीनगर के लोग मंदिर से जुड़ी कई चमत्कारिक कहानियां सुनाते हैं। प्राचीन छतरी वाला मंदिर महत्वपूर्ण शिवालयों में गिना जाता है। मंदिर की मोदीनगर के अलावा दूर-दूर तक मान्यता है। श्रद्धालुओं का कहना है कि सच्चे दिल से मांगीं गई मुराद को महादेव जरूर पूरा करते हैं। प्रतिदिन सैंकडों की संख्या में लोग यहां भगवान के दर्शन के लिए आते हैं। श्रावण के दिनों में यहां पूरे दिन श्रद्धुओं की भीड़ लगी रहती है।

कुछ बड़ा पक रहा है भाजपा के अंदर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजनीति में जल्दी ही बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। उत्तर प्रदेश की राजनीति में यह बड़ा बदलाव प्रदेश की सत्तारूढ पार्टी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में बड़े बदलाव के रूप में सामने आ सकता है। उत्तर प्रदेश की राजनीति को समझने वाले विशेूषकों का स्पष्ट मत है कि उत्तर प्रदेश की भाजपा में अंदर ही अंदर कुछ बड़ा पक रहा है। संभावना जताई जा रही है कि उत्तर प्रदेश भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के पद पर कोई चौंकाने वाला चेहरा बैठाया जा सकता है।

आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश भाजपा में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य तथा दूसरे डिप्टी ष्टरू बृजेश पाठक राजनीतिक तौर पर अपना अलग धड़ा चलाते हैं। हाल ही में उत्तर प्रदेश के दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य तथा बृजेश पाठक दिल्ली में पार्टी के बड़े नेताओं से मिले थे। इस मुलाकात के तुरंत बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोडी, गृहमंत्री अमित शाह तथा भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की। मुलाकातों के इस सिलसिले ने विश्लेषकों को सचेत कर दिया है। ज्यादातर विश्लेषकों ने इन मुलाकातों का यही मतलब निकाला है कि उत्तर प्रदेश की भाजपा में अंदर ही अंदर बहुत कुछ बड़ा पक रहा है।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के पद पर आने वाला है चौंकाने वाला नाम

उत्तर प्रदेश की राजनीति को समझने वालों का कहना है कि केशव प्रसाद मौर्य तथा बृजेश पाठक प्रदेश में अपनी पसंद का प्रदेश अध्यक्ष बनवाना चाहते हैं। दूसरी तरफ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का पूरा प्रयास है कि भाजपा का उत्तर प्रदेश का अध्यक्ष उनकी पसंद का नेता बने।

आपको बतादें कि उत्तर प्रदेश में भाजपा अभी तक अपना प्रदेश अध्यक्ष इसी खींचतान के कारण नहीं बना पाई है। भाजपा के लिए उत्तर प्रदेश के महत्व को समझते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा गृहमंत्री अमित शाह प्रदेश में किसी ऐसे नेता पर दांव लगाना चाहते हैं जो दिल्ली (राष्ट्रीय नेतृत्व) के इशारे पर काम करे। विश्लेषक अनुमान लगा रहे हैं कि उत्तर प्रदेश में भाजपा के नए अध्यक्ष का नाम सबको चौंकाने वाला नाम हो सकता है। आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश में भाजपा के वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी का कार्यकाल इस साल शुरू में ही खत्म हो चुका है।

सूत्रों के मुताबिक पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के बाद उत्तर प्रदेश अध्यक्ष का फैसला करेगी. ऐसा इसलिए क्योंकि उत्तर प्रदेश का मामला बहुत पेचीदा हो गया है। लोकसभा चुनाव में बीजेपी के खराब प्रदर्शन के बाद पार्टी हाईकमान कोई रिस्क लेने के मूड में नहीं है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में नोएडा स्थापित कर रहा है

विकास के नए आयाम

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश के विकास को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सपना है कि उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाएंगे। मुख्यमंत्री के इस सपने को साकार करने में नोएडा प्राधिकरण बहुत बड़ी भूमिका निभा रहा है। नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालिका अधिकारी (CEO) डॉ. लोकेश एम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन को तेजी के साथ आगे बढ़ा रहे हैं। नोएडा के प्रत्येक नागरिक को नोएडा की विकास की पूरी कहानी जानना जरूरी है। आईए विस्तार से जानते हैं नोएडा की सक्सेस स्टोरी।

नोएडा प्राधिकरण लिख रहा है विकास की नई इबारत

नोएडा प्राधिकरण नोएडा के विकास को लगातार नई गति दे रहा है। नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. लोकेश एम रात दिन नोएडा के विकास को गति देने का काम कर रहे हैं तथा नोएडा प्राधिकरण की पूरी टीम से काम भी करवा रहे हैं। टीम भावना से किए जा रहे काम का ही नतीजा है कि नोएडा आज उत्तर प्रदेश का ग्रोथ इंजन बन गया है।

जब बडे निवेश की बात आती थी तो दिल्ली, मुंबई या बेंगलुरु जैसे बड़े महानगरों का नाम सबसे पहले जेहन में आता था। हालिया आंकड़े बताते हैं कि देश के पारंपरिक टॉप शहर नहीं, बल्कि कुछ नए उभरते शहर निवेश के मामले में आगे निकल गए हैं। निवेश के मामले में सबसे बड़ा नाम है नोएडा शहर का नोएडा अब सिर्फ एक नाम नहीं बल्कि भारत के शहरी विकास की एक पहचान बन चुका है। पिछले सात वर्षों में नोएडा ने जिस रफ्तार से तरक्की की है उसने नोएडा को देश के सबसे तेजी से उभरते शहरों की श्रेणी में ला खड़ा किया है।

नोएडा की बढ़ती हुई उड़ान

उत्तर प्रदेश का नोएडा शहर निवेशकों की पसंदीदा जगह बनकर उभरा है। PropEquity की रिपोर्ट के अनुसार, 2017 से 2025 तक नोएडा में नए प्रोजेक्ट्स की कीमतों में औसतन 152 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। यानी सिर्फ चार साल में दाम लगभग दोगुने हो गए हैं। यह आंकड़ा बताता है कि नोएडा बडी तेजी से हाई रिटर्न जोन बनता जा रहा है। इस कारण नोएडा दुनिया भर के निवेशकों की पहली पसन्द बन रहा है।

उत्तर प्रदेश का ग्रोथ इंजन बना नोएडा, किसी परिचय का मोहताज नहीं

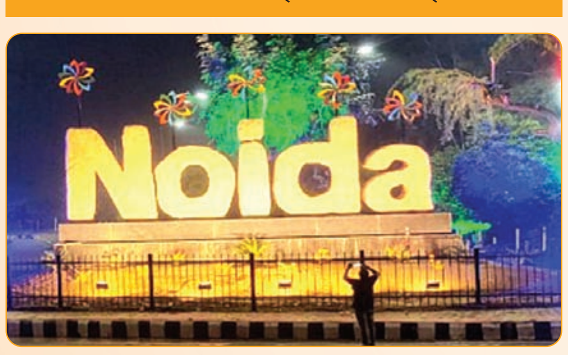

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशन में नोएडा लगातार विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. लोकेश एम के नेतृत्व में नोएडा विकास की नई इबारत लिख रहा है। जब हम नोएडा के विकास की बात कर रहे हैं तब नोएडा के इतिहास तथा भूगोल की बात करना भी जरूरी है।

आपको बता देते हैं कि राजधानी दिल्ली में यमुना नदी के किनारे औखला औद्योगिक क्षेत्र बसा हुआ है। वर्ष–1976 में औखला को आगे बढ़ाते हुए यमुना नदी के उत्तर प्रदेश की तरफ पडऩे वाले क्षेत्र में न्यू औखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण (New Okhla Industrial Development Authority) की स्थापना की गई। न्यू औखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण को ही संक्षिप्त में (नोएडा) के नाम से जाना जाता है। आज यह शहर किसी परिचय का मोहताज नहीं है। भारत देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से सटा हुआ नोएडा भारत के सबसे बड़े प्रदेश उत्तर प्रदेश का प्रवेश द्वार भी है। नोएडा शहर को उप्र की औद्योगिक राजधानी भी कहा जाता है।

नोएडा की लाइफ लाइन है मेट्रो रेल

नोएडा शहर के यातायात को सुगम बनाने के लिए इस शहर की लाइफ लाइन मेट्रो रेल है। यहां पर यह बताना जरूरी है कि नोएडा में दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (DMRC) की ब्लू लाइन व मजेंटा लाइन तथा नोएडा मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (NMRC) की एक्वा रेल लाइन बनाई गई है। DMRC की ब्लू मेट्रो ट्रेन नोएडा के सेक्टर–15 से लेकर सेक्टर–62 इलेक्ट्रोनिक सिटी तक जाती है। वहीं मजेंटा लाइन बॉटेनिकल गार्डन से जनकपुरी वेस्ट तक जाती है। जबकि NMRC की एक्वा मेट्रो ट्रेन सेक्टर–51 से लेकर ग्रेटर नोएडा के डिपो मेट्रो स्टेशन तक चलाई गई है। दोनों ही मेट्रो ट्रेन लाइनों को नोएडा शहर की लाइफ लाइन माना जाता है।

उत्तर प्रदेश में नोएडा बना

नम्बर-वन शहर

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार यूपी की अर्थव्यवस्था को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थ व्यवस्था बनाने पर फोकस कर रही है। जीडीपी रैंकिंग की ताजा रिपोर्ट में नोएडा पहले स्थान पर है और लखनऊ दूसरे स्थान पर है। बता दें कि इसमें कानपुर की हिस्सेदारी घटी है। प्रदेश के जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) में 14 जिलों की हिस्सेदारी लगातार कम हो रही है, जबकि 10 जिलों की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है। जिलों की जीडीपी रैंकिंग की ताजा रिपोर्ट के अनुसार नोएडा सर्वाधिक हिस्सेदारी के साथ पहले स्थान पर हैं। वहीं लखनऊ और आगरा दूसरे तथा तीसरे स्थान पर हैं। हालांकि, पिछले वर्ष की तुलना में इन दोनों जिलों की राज्य की जीडीपी में हिस्सेदारी में गिरावट आई है। आपको बता दें कि वहीं प्रदेश की जीडीपी 19,16,913.42 करोड़ रुपये हो गई है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी पूर्वी, बुंदेलखण्ड व केंद्रीय उत्तर प्रदेश की तुलना में सबसे ज्यादा है। नोएडा शहर की बात करें तो जीडीपी के मामले में नोएडा उत्तर प्रदेश का नम्बर–वन शहर बन गया है। नोएडा की जीडीपी में भागीदारी 166073.92 करोड रुपये यानि 8.66 प्रतिशत है। इस सूची में लखनऊ – 75762.73 करोड के साथ 3.95 प्रतिशत पर, आगरा – 69266.03 करोड के साथ 3.61 प्रतिशत पर, प्रयागराज – 63719.05 करोड के साथ 3.32 प्रतिशत पर, मेरठ – 59167.55 करोड के साथ 3.09 प्रतिशत पर, गाजियाबाद– 55677.70 करोड के साथ 2.90 प्रतिशत पर, कानपुर नगर– 54640.53 करोड के साथ 2.85 प्रतिशत पर, बरेली – 52423.42 करोड के साथ 2.73 प्रतिशत पर, बिजनौर– 38926.58 करोड के साथ 2.03 प्रतिशत पर तथा बुलंदशहर– 38044.70 करोड के साथ 1.98 प्रतिशत पर मौजूद है।

इस विश्लेषण से यह प्रमाणित होता है कि नोएडा विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। साथ ही यह भी प्रमाणित होता है कि नोएडा प्राधिकरण पूरी सिद्दत के साथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उस सपने को साकार कर रहा है जिसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का सपना देखा है। नोएडा को उत्तर प्रदेश का ग्रोथ इन्जन बनाने में नोएडा प्राधिकरण कोई कमी नहीं छोड रहा है।

निवेश से लेकर निर्यात के क्षेत्र में अव्वल नोएडा ने एक नए कीर्तिमान की तरफ कदम बढ़ा दिया है। नोएडा ने वर्ष 2024–25 में 70,155 करोड़ रुपये के साफ्टवेयर का निर्यात करके यह इतिहास रचा। नोएडा में मौजूद सॉफ्टवेयर टेक्नॉलजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) से जुड़ी इकाइयों ने केवल उत्तर प्रदेश ही नहीं बल्कि पूरे भारत के तकनीकी उद्योग को सशक्त बनाने का काम किया है। देश में सॉफ्टवेयर निर्यात को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 1991 में नोएडा में स्थापित एसटीपीआई अब इनोवेशन, स्टार्टअप सशक्तिकरण और डिजिटल समावेशन का मजबूत स्तंभ बन गया है। एसटीपीआई के महानिदेशक अरविंद कुमार ने कहा कि एसटीपीआई के लिए यह गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा कि नोएडा प्राधिकरण लगातार हमारे काम में मददगार रहा है।

एसटीपीआई ने तीन केंद्रों से अपनी शुरुआत की थी, जब आईटी उद्योग शुरुआती दौर में था। अब एसटीपीआई के देशभर में 67 केंद्र हैं, जिन्होंने आईटी उद्योग को बदलने में अहम भूमिका निभाई है। वर्ष 2024–25 में एसटीपीआई से पंजीकृत इकाइयों का निर्यात 10 लाख करोड़ से अधिक हो गया है। भारत सरकार के निर्देशानुसार, एसटीपीआई टियर–2 और टियर–3 शहरों में आईटी उद्योग के विस्तार के लिए काम कर रहा है, ताकि समावेशी विकास हो सके। इसके साथ ही एसटीपीआई अब तक 1400 से ज्यादा स्टार्टअप्स का समर्थन किया है। एसटीपीआई इकोसिस्टम से जुड़े स्टार्टअप्स ने अब तक निवेशकों से 574 करोड़ रुपये का फंड जुटाया है। 44त्न स्टार्टअप महिलाओं द्वारा संचालित हैं, जिनमें से कई छोटे शहरों और कस्बों से आती हैं।

एसटीपीआई के महानिदेशक ने नोएडा प्राधिकरण के विकासोन्मुख प्रयासों की सराहना की है। उन्होंने कहा कि एसटीपीआई नोएडा निदेशालय उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में आईटी उद्योग और टेक स्टार्टअप्स के विकास में अहम भूमिका निभा रहा है। बीते वर्षों में इसने देहरादून, कानपुर, लखनऊ, मेरठ, प्रयागराज और आगरा में छह उप–केंद्र शुरू करके अपने नेटवर्क का विस्तार किया है। वित्त वर्ष 2024–25 में एसटीपीआई–नोएडा के तहत पंजीकृत कंपनियों ने 70,155 करोड़ का सॉफ्टवेयर निर्यात किया है। नोएडा प्राधिकरण के सहयोग के बिना यह काम संभव नहीं था।

हर क्षेत्र में अव्वल साबित हो रहा है नोएडा

नोएडा प्राधिकरण विकास का बड़ा खाका लेकर आगे बढ़ रहा है। यही कारण है कि नोएडा के नागरिकों का जीवन स्तर भी लगातार उच्च श्रेणी का बन रहा है। उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देशन में किए जा रहे नोएडा प्राधिकरण के तमाम काम धरातल पर परिणाम के रूप में सामने आ रहे हैं। बात प्रति व्यक्ति आमदनी की करें तो नोएडा इस मामले में भी अव्वल स्थान पर कायम हो गया है। देश की राजधानी दिल्ली की बगल में स्थापित नोएडा शहर कमाई यानि धन के मामले में सबसे आगे है। हाल ही में सामने आए एक सर्वे में उत्तर प्रदेश के टॉप–10 शहरों में नोएडा सर्वोच्च शिखर पर स्थापित है। नोएडा शहर में औसत प्रति व्यक्ति आय 6 लाख रूपये है।

उत्तर प्रदेश का प्रवेश द्वार है नोएडा

उत्तर प्रदेश के सभी टॉप–10 शहरों की जानकारी पढ़ने से पहले यह जान लीजिए कि सर्वोच्च शिखर पर मौजूद नोएडा शहर को यूपी का प्रवेश द्वार भी कहा जाता है। यह नोएडा शहर ही है जिसे उत्तर प्रदेश की औद्योगिक राजधानी भी कहा जाता है। वर्ष–1976 में 17 अप्रैल 1976 को स्थापित हुए नोएडा शहर के बारे में बड़ी ही सटीक भविष्यवाणी की गई थी। इस भविष्यवाणी में कहा गया था कि 'एक दिन नोएडा एशिया की सर्वश्रेष्ठ औद्योगिक नगरी बनेगा।' अपनी स्थापना के 49 साल पूरे कर चुका नोएडा शहर वास्तव में ही आज एशिया की महत्वपूर्ण औद्योगिक नगरी व उत्तर प्रदेश की औद्योगिक राजधानी बन चुका है। सर्वे के मुताबिक नम्बर–1 पर मौजूद नोएडा के बाद उत्तर प्रदेश के मेरठ शहर का नंबर है। एक लाख 27 हजार रूपये प्रति व्यक्ति आमदनी के साथ मेरठ शहर दूसरे नंबर पर है। आगरा शहर की प्रति व्यक्ति आमदनी एक लाख 63 हजार 354 रूपये है। इस प्रकार आगरा तीसरे पायदान पर है। चौथे नंबर पर यूपी का एटा शहर है। छठां नंबर अमरोहा का है।

9,000

अंतरराष्ट्रीय रन पूरे करने के कगार पर केएल राहुल

इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में चौथा टेस्ट नजदीक आ रहा है और सभी की नजरें भारतीय सलामी बल्लेबाज केएल राहुल पर होंगी जिन्होंने अब तक इंग्लैंड में अपने करियर को परिभाषित करने वाली श्रृंखला खेली है और 9,000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे करने से सिर्फ 60 रन दूर हैं।

सिर्फ 60 रन दूर

मैनचेस्टर (यूके)। इंग्लैंड श्रृंखला में 2-1 से आगे और भारत को सीरीज बराबर करने के लिए चौथा टेस्ट जीतना होगा। अपने अब तक के अंतरराष्ट्रीय करियर में केएल ने 218 मैचों की 254 पारियों में 39.73 की औसत से 19 शतकों और 58 अर्द्धशतकों के साथ 8,940 रन बनाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 199 है। वे सर्वकालिक सूची में भारत के लिए 16वें सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। अपनी उत्कृष्ट तकनीक, संयम और विविध शॉट्स के बावजूद टेस्ट क्रिकेट आश्चर्यजनक रूप से उनका सबसे कम असफल प्रारूप रहा है, जिसमें उन्होंने 61 मैचों और 107 पारियों में 35.26 की औसत से 3,632 रन बनाए हैं, जिसमें 10 शतक और 18 अर्द्धशतक शामिल हैं, और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 199 रहा है। उनके प्रदर्शन में निरंतरता की कमी और इसके परिणामस्वरूप बल्लेबाजी औसत में ठहराव की भी जांच की जा रही है, यहां तक कि केएल ने भी स्वीकार किया कि उनके बल्लेबाजी औसत को देखकर उन्हें "दुख होता है"। वे एकदिवसीय मैचों में कहीं अधिक सफल रहे हैं, जहां उन्होंने 85 मैचों और 79 पारियों में 49.08 की औसत और 88.17 की स्ट्राइक रेट से 3,043 रन बनाए हैं, जिसमें 7 शतक और 18 अर्द्धशतक शामिल हैं। टी20आई में वह भारत के चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। राहुल ने 72 मैचों और 68 पारियों में 37.75 की औसत और लगभग 140 के स्ट्राइक रेट से 2,265 रन बनाए हैं जिसमें दो शतक और 22 अर्द्धशतक शामिल हैं। हालांकि, उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में एक विनाशकारी टी20 विश्व कप 2022 के बाद से टी20आई नहीं खेला है, क्योंकि भारत में युवा, निडर और कठोर टी20आई विशेषज्ञों की तुलना में उनकी स्कोरिंग दर कई बार पुरानी लगती है। मौजूदा श्रृंखला में केएल ने तीन मैचों और छह पारियों में 62.50 की औसत से 375 रन बनाए हैं, जिसमें 137 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर, दो शतक और एक अर्द्धशतक शामिल है। वह श्रृंखला में चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। इंग्लैंड में 12 टेस्ट मैचों की 24 पारियों में उन्होंने 41.20 की औसत से 989 रन बनाए हैं, जिसमें चार शतक और दो अर्धशतक शामिल हैं। इंग्लैंड में उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 149 रन है। अपने फॉर्म में उतार-चढ़ाव के बावजूद वह एशिया के बाहर भारत के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में से एक हैं, क्योंकि उनके दस में से नौ टेस्ट शतक घर से बाहर आए हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उनके 7 टेस्ट शतक दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया (SENA) देशों में आए हैं, जिनमें से एक शतक ऑस्ट्रेलिया में और दो दक्षिण अफ्रीका में हैं। दो मैच शेष रहते हुए, केएल के पास इस श्रृंखला को सांख्यिकीय रूप से अपना सर्वश्रेष्ठ टेस्ट शतक बनाने का पूरा मौका है।

चौथे टेस्ट से पहले टीम इंडिया मैनचेस्टर पहुंची

इंग्लैंड के खिलाफ ओल्ड ट्रैफर्ड में होगा मुकाबला

मैनचेस्टर (यूके)। एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी की 5 मैचों की श्रृंखला के चौथे टेस्ट से पहले टीम इंडिया रविवार को मैनचेस्टर पहुंची। यह टेस्ट मैच बुधवार 23 जुलाई से ओल्ड ट्रैफर्ड में खेला जाएगा। जिन खिलाड़ियों के यहां पहुँचने की सूचना मिली, उनमें टीम के कप्तान शुभमन गिल, उप-कप्तान ऋषभ पंत और सलामी बल्लेबाज केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल शामिल थे।

बाएं हाथ के बल्लेबाज साई सुदर्शन, दाएं हाथ के बल्लेबाज करुण नायर, अनकैप्ड खिलाड़ी अभिमन्यु ईश्वरन और ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी जैसे अन्य खिलाड़ी भी मैनचेस्टर पहुंचते ही सुर्खियों में आ गए। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने कुछ अन्य खिलाड़ियों की तस्वीरें भी पोस्ट कीं, जिनमें ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर और शार्दुल ठाकुर के साथ विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल शामिल थे।

तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप और अर्शदीप के साथ-साथ बाएं हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव भी नजर आए। 193 रनों का पीछा करते हुए पुछल्ले बल्लेबाजों और रवींद्र जडेजा के संघर्षपूर्ण प्रयास के बावजूद लॉर्ड्स में तीसरा टेस्ट सिर्फ 22 रन से हारने के बाद भारत पांच मैचों की श्रृंखला में 1-2 से पीछे है और चौथे टेस्ट में जीत दर्ज करना चाहेगी।

भारत की टीम :

शुबमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नितीश रेड्डी, रवींद्र जड़ेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रित बुमरा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह और कुलदीप यादव।

टेस्ट के बाद टी-20 में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगी वेस्टइंडीज टीम

किंग्सटन। ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज की क्लीन स्वीप कर दिया। तीनों ही मैचों में एक समय वेस्टइंडीज की टीम अच्छी स्थिति में दिख रही थी लेकिन अंत में ऑस्ट्रेलिया ने बाजी मार ली। अब दोनों टीमों के बीच 5 मैचों की टी20 सीरीज शुरू होने वाली है। अगले साल की शुरुआत में ही टी20 विश्व कप होना है और ऐसे में दोनों ही टीमें तैयारी के इरादे से मैदान पर उतरेंगी। सीरीज का पहला मैच जमैका के किंग्टन स्थित सबिना पार्क में होगा। वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया के बीच टी20 सीरीज का पहला मैच स्थानीय समय अनुसार 20 जुलाई को शाम 7 बजे से खेला जाएगा। हालांकि भारत में उस समय 21 जुलाई की सुबह के 5 बजकर 30 मिनट पर समय हो रहा होगा। यानी मैच में यह मैच 21 जुलाई को होगा। इस मैच को लाइव देखने के लिए फैनकोड के ऐप और वेबसाइट पर जा सकते हैं। भारत में इस मैच की सिर्फ स्ट्रीमिंग होगी। यह किसी भी चैनल पर टेलीकास्ट नहीं किया जाएगा। टेस्ट और वनडे में भले ही टी20 में वेस्टइंडीज की टीम पहले के मुकाबले काफी कमजोर हो गई है। लेकिन टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में ऐसा नहीं है। दो बार की चैंपियन वेस्टइडंडीज के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया ने 22 मैच खेले हैं। इसमें टीम को 11 जीत और 11 हार मिली है। अंतिम 5 मैचों में वेस्टइंडीज को सिर्फ एक जीत मिली है। आखिरी बार ऑस्ट्रेलिया ने 2021 में वेस्टइंडीज का दौरा करते हुए टी20 सीरीज खेला था और इसमें उसे करारी हार मिली थी।

इस प्रकार हैं दोनों टीमें

ऑस्ट्रेलिया:

मिचेल ओवेन, जैक फ्रेजर-मैकगर्क, मिचेल मार्श (कप्तान), कैमरून ग्रीन, ग्लेन मैक्सवेल, जोश इंगलिस (विकेटकीपर), सीन एबॉट, जेवियर बार्टलेट, एडम जम्पा, कूपर कोनोली, नाथन एलिस, आरोन हार्डी, मैथ्यू कुहनेमन, बेन ड्वार्शुइस।

वेस्टइंडीज:

एविन लुईस, ब्रैंडन किंग, शाई होप (विकेटकीपर/कप्तान), शिमरोन हेटमायर, शेरफेन रदरफोर्ड, रोवमैन पॉवेल, रोमारियो शेफर्ड, आंद्रे रसेल, जेसन होल्डर, अकील होसेन, अल्जारी जोसेफ, जेडिया ब्लेड्स, ज्वेल एंड्रयू, रोस्टन चेज, गुडाकेश मोटी।

विश्व लीजैंड्स चैम्पियनशिप

धवन समेत भारतीय सितारों ने किया बहिष्कार, भारत-पाकिस्तान मैच रद्द

बर्मिंघम। पहलगाम में अप्रैल में हुए आतंकवादी हमले का हवाला देकर शिखर धवन समेत कई भारतीय सितारों के खेलने से इनकार के बाद विश्व लीजैंड्स चैम्पियनशिप (WCL) में भारत और पाकिस्तान के 'वेटरन' खिलाड़ियों के बीच रविवार को यहां होने वाला मैच रद्द कर दिया गया है। बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन इस चैम्पियनशिप के सह मालिक है और इसका दूसरा सत्र 18 जून को एजबेस्टन में शुरू हुआ था। इसका फाइनल मुकाबला दो अगस्त को खेला जाएगा। विश्व कप विजेता युवराज सिंह इंडिया चैम्पियंस टीम के कप्तान है जिसमें हरभजन सिंह, इरफान पठान, सुरेश रैना, रॉबिन उथप्पा और वरुण आरोन जैसे दिग्गज खिलाड़ी शामिल हैं। WCL के आयोजकों ने 'एक्स' पर एक आधिकारिक बयान जारी करते हुए मैच रद्द करने के फैसले की जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि इस मुकाबले का उद्देश्य भारत-पाकिस्तान के बीच फिर से कुछ 'सुखद यादें' बनाना था। बयान में कहा गया, 'जब हमें पता चला कि इस वर्ष पाकिस्तान की हॉकी टीम भारत आ रही है और हाल ही में दोनों देशों के बीच वॉलीबॉल जैसे अन्य खेलों में मुकाबले हो रहे हैं तो हमने भी सोचा कि WCL में भारत-पाकिस्तान मैच कराया जाए, जिससे दुनियाभर के प्रशंसकों को कुछ आनंददायक पल मिल सकें। लेकिन लगता है कि इस निर्णय से कुछ लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं। इसलिए हमने भारत-पाकिस्तान मैच रद्द करने का फैसला किया है। हम उन सभी से माफी मांगते हैं जिनकी भावनाएं इस फैसले से आहत हुई हैं और उम्मीद करते हैं कि लोग यह समझेंगे कि हम बस प्रशंसकों के लिए कुछ खुशी के पल लाना चाहते थे।'

पाकिस्तानी टीम में शाहिद अफरीदी कप्तान हैं जबकि यूनिस खान, सोहेल तनवीर, वहाब रियाज, कामरान अकमल भी टीम का हिस्सा हैं। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज धवन ने एक्स पर बयान जारी करके कहा कि वह पाकिस्तान के खिलाफ मैच नहीं खेलेंगे। उन्होंने बयान में कहा, 'मैं औपचारिक तौर पर दोहराता हूं और इसकी पुष्टि करता हूं कि शिखर धवन WCL में पाकिस्तानी टीम के खिलाफ कोई मैच नहीं खेलेगा। हमने वाट्सअप और फोन पर 11 मई 2025 को अपने फैसले से अवगत करा दिया था।' धवन ने कहा कि उन्होंने पहलगाम आतंकवादी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच की भू राजनैतिक स्थिति को देखकर यह फैसला लिया है। दोनों देशों के बीच संक्षिप्त सैन्य टकराव पाकिस्तान के संघर्ष विराम के अनुरोध के बाद रूका। धवन ने लिखा, 'मौजूदा भू राजनैतिक स्थिति और भारत तथा पाकिस्तान के बीच जारी तनाव के कारण धवन और उनकी टीम ने यह फैसला लिया है। हम मामले को समझने और सहयोग करने के लिए लीग का धन्यवाद करते हैं।' राज्यसभा सांसद और महान आफ स्पिनर हरभजन और पूर्व तेज गेंदबाज इरफान पठान ने भी पाकिस्तान के खिलाफ नहीं खेलने का फैसला लिया है लेकिन कोई बयान जारी नहीं किया।

ICC डेवलपमेंट अवॉर्ड्स के विनर्स की हुई घोषणा

अमेरिका समेत 8 देशों की चमकी किस्मत

नई दिल्ली। नेपाल और भूटान समेत आठ देशों ने आईसीसी डेवलपमेंट पुरस्कार 2024 में शीर्ष पुरस्कार हासिल किए हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने रविवार को अपनी सालाना बोर्ड बैठक में यह जानकारी दी।अमेरिका को आईसीसी एसोसिएट सदस्य वर्ष की पुरुष टीम के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का पुरस्कार मिला। अमेरिका और वेस्टइंडीज में हुए टी20 विश्व कप 2024 में अमेरिकी टीम सुपर आठ चरण तक पहुंची थीं। अमेरिका ने कनाडा और पाकिस्तान को हराकर सनसनी फैला दी थी। अमेरिका, नेपाल और भूटान के अलावा इंडोनेशिया, नामीबिया, स्कॉटलैंड , तंजानिया और वानुआतू को भी पुरस्कार मिले। क्रिकेट नामीबिया को देश में जमीनी स्तर पर खेल के विकास के लिए 'एशबर्टन क्वाटा मिनी क्रिकेट कार्यक्रम' के लिए आईसीसी वर्ष की विकास पहल का पुरस्कार मिला। पहली बार आईसीसी महिला क्रिकेट पहल का पुरस्कार संयुक्त रूप से भूटान और वानुआतू को दिया गया। नेपाल क्रिकेट संघ को 'आईसीसी डिजिटल फैन इंगेजमेंट' पुरस्कार मिला। आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने कहा, ''आईसीसी डेवलपमेंट पुरस्कार के वैश्विक विजेताओं की घोषणा करके खुशी हो रही है। उदीयमान देशों में क्रिकेट के प्रचार प्रसार के अपने प्रयासों के कारण सभी विजेता पुरस्कार के हकदार थे।''

इंग्लैंड पर मेहरबान ICC

तीन विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की सौंपी मेजबानी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने शनिवार को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के अगले तीन चरणों की मेजबानी के अधिकार इंग्लैंड को सौंप दिए। वैश्विक संस्था ने रविवार को संपन्न अपने वार्षिक सम्मेलन में यह फैसला किया। दो साल के चक्र पूरे होने के बाद 2027, 2029 और 2031 में होने वाले तीन डब्ल्यूटीसी फाइनल संभवतः जून में आयोजित किए जाएंगे। इंग्लैंड एंव वेल्स क्रिकेट बोर्ड पहले ही साउथैम्प्टन में 2021 के फाइनल (भारत बनाम न्यूजीलैंड), लंदन के ओवल में 2023 के फाइनल मुकाबले (भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया) और लॉर्ड्स में 2025 के फाइनल (दक्षिण अफ्रीका बनाम ऑस्ट्रेलिया) की मेजबानी कर चुका है।

भारत को नहीं मिली मेजबानी

आईसीसी ने 2027 के फाइनल भारत में स्थानांतरित किये जाने की अटकलों को विराम देते हुए ईसीबी के 'सफल मेजबानी रिकार्ड' का हवाला देते हुए इंग्लैंड को फिर से तीन बार के लिए इसकी जिम्मेदारी दी है। हालांकि यह अभी तय नहीं हुआ है कि भविष्य में भी लॉर्ड्स को प्राथमिक मेजबान के तौर पर बरकरार रखा जाएगा या नहीं।

श्रीशंकर ने पुर्तगाल में जीता लंबी कूद का खिताब

तोक्यो में होने वाली विश्व चैम्पियनशिप पर नजरें

नई दिल्ली । भारत के स्टार लांग जंपर मुरली श्रीशंकर ने पुर्तगाल के माइया में विश्व एथलेटिक्स उपमहाद्वीपीय टूर के कांस्य स्तर के टूर्नामेंट मीटिंग माइया सिडाडे डो डेसपोर्टो में 7.75 मीटर की कूद लगाकर खिताब जीत लिया। एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता श्रीशंकर ने शनिवार की रात को दूसरे दौर में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया। उन्होंने 7.63 मीटर की कूद के साथ शुरूआत की और दूसरे दौर में 7.75 मीटर की कूद लगाई। तीसरी कूद में उन्होंने 7.69 मीटर का फासला नापा। अगला प्रयास फाउल रहा और इसके बाद 6.12 और 7.58 मीटर की कूद लगाई। पोलैंड के पियोत्र तारकोवस्की ने भी 7.75 मीटर की कूद लगाई लेकिन उनका दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रयास 7.58 मीटर था जो श्रीशंकर के 7.69 मीटर से कम था। विश्व एथलेटिक्स के नियमों के अनुसार अगर दो खिलाड़ियों में टाई होता है तो दूसरी वैध कूद को टाइब्रेकर माना जाता है।

घुटने के आपरेशन के कारण लंबे समय खेल से दूर रहे श्रीशंकर ने इस महीने की शुरूआत में इंडियन ओपन एथलेटिक्स मीट के जरिये वापसी की है। उनकी नजरें सितंबर में तोक्यो में होने वाली विश्व चैम्पियनशिप के लिए क्वालीफाई करने पर लगी है जिसके लिए स्वतः क्वालीफिकेशन मार्क 8.27 मीटर है। वह 14 अगस्त तक यूरोप और मध्य एशिया में टूर्नामेंट खेलेंगे जिसके लिए सरकार ने 5.58 लाख रुपए मंजूर किए हैं।

'वह अपने शरीर को जानते हैं'

चौथे टेस्ट में बुमराह के खेलने पर बोले सुरेश रैना

बर्मिंघम। पूर्व भारतीय मध्यक्रम बल्लेबाज सुरेश रैना ने इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर चल रही श्रृंखला में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें "लीजेंड" बताया। उन्होंने यह भी कहा कि चौथे टेस्ट में इस तेज गेंदबाज का खेलना "डॉक्टर के फैसले" पर निर्भर करता है क्योंकि चोट के कारण लंबे समय तक बाहर रहने के बाद उनके कार्यभार का प्रबंधन किया जा रहा है। कार्यभार प्रबंधन के कारण इंग्लैंड के खिलाफ चल रही श्रृंखला में केवल तीन टेस्ट खेलने वाले बुमराह की उपलब्धता, ओल्ड ट्रैफर्ड में चौथे टेस्ट के लिए मैनचेस्टर रवाना होने के दौरान एक बड़ा मुद्दा होगी। श्रृंखला इंग्लैंड के पक्ष में 2-1 से होने के साथ ऐसी खबरें हैं कि बुमराह चौथे टेस्ट में खेल सकते हैं जिससे भारत को श्रृंखला बराबर करने का मौका मिल सके। बर्मिंघम में वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (WCL) में हिस्सा लेने के लिए मौजूद रैना ने बुमराह के चौथे टेस्ट में खेलने के बारे में कहा, 'ईमानदारी से कहूँ तो यह डॉक्टर का फैसला है। मैं अपने शरीर को जानता हूं। मैं अपने डॉक्टर को जानता हूं। मुझे पता है कि वह मुझे क्या दिशानिर्देश दे रहे हैं, कैसे खेलना है।' उन्होंने आगे कहा, 'तो मुझे लगता है कि बुमराह एक लीजेंड हैं। मुझे लगता है कि वह अपने शरीर को जानते हैं। वह अपने कार्यभार को जानते हैं, खुद को कैसे संभालना है, यह जानते हैं और लॉर्ड्स में उनके प्रदर्शन को देखें, तो उन्होंने लॉर्ड्स ऑनर्स बोर्ड (5 विकेट हॉल) में अपनी जगह दर्ज कराई।'

पाकिस्तान के मोहम्मद यूसुफ का 19 साल पुराना रिकॉर्ड टूटने के करीब

शुभमन गिल सिर्फ 25 रन दूर

मैनचेस्टर । भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ शुरुआती दो टेस्ट मैच में दमदार प्रदर्शन किया है। हालांकि तीसरे टेस्ट में वह उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सके और दोनों पारियों में सस्ते में पवेलियन लौटे। शुभमन गिल के पास चौथे टेस्ट में एक बड़ी उपलब्धि हासिल करने का मौका है। मैनचेस्टर में होने वाले मुकाबले में गिल इंग्लैंड में द्विपक्षीय टेस्ट सीरीज में किसी एशियाई बल्लेबाज द्वारा बनाए गए सर्वाधिक रन के रिकार्ड को तोड़ने के करीब हैं। इंग्लैंड में एक टेस्ट सीरीज में एशियाई बल्लेबाज द्वारा सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड पाकिस्तान के मोहम्मद यूसुफ के नाम है। उन्होंने 2006 में 4 मैचों में 90.14 के औसत से 631 रन बनाए थे। उनका हाईएस्ट स्कोर 202 रहा। इस लिस्ट में भारत के स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। शुभमन गिल ने तीन मैचों में 101.16 के औसत से 607 रन बना लिए हैं और वह मोहम्मद यूसुफ का रिकॉर्ड तोडने से सिर्फ 25 रन दूर हैं।

इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर भारत के पूर्व क्रिकेटर राहुल द्रविड़ हैं। उन्होंने 2002 में इंग्लैंड में तीन मैचों में 602 रन बनाए थे। भारत के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने 2018 में पांच मैचों में 593 रन बनाए थे। दिग्गज सुनील गावस्कर ने 1979 में 4 मैचों में 542 रन जड़े थे। पाकिस्तान के सलीम मलिक ने 1992 में पांच मैचों में 488 रन बनाए थे। गिल लॉर्ड्स में दो टेस्ट मैचों में 485 रन बनाकर उतरे थे। उन्होंने चार पारियों में तीन शतक लगाए और उनमें से एक को करियर की सर्वश्रेष्ठ 269 रनों की पारी में बदल दिया। तीसरे टेस्ट में बल्लेबाजी के लिए हालात बाकी सीरीज की तुलना में ज्यादा मुश्किल थे। दूसरी पारी में उन्हें एक सख्त नई गेंद का सामना करना पड़ा। बाकी हर बार, उन्हें एक पुरानी, नरम गेंद के सामने शुरुआत करने का फायदा मिला, जो ज्यादा असर नहीं कर रही थी। भारत इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में तीसरा टेस्ट मैच 22 रन से हार गया और सीरीज में 1-2 से पिछड़ गया। दोनों टीमें 23 जुलाई से मैनचेस्टर में एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के चौथे टेस्ट में आमने-सामने होंगी।

डीएम से मिला प्रतिनिधिमंडल

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। फेडरेशन ऑफ आर0डब्ल्यू0एज का एक प्रतिनिधिमंडल उपाध्यक्ष आलोक नागर व महासचिव ऋषिपाल के नेतृत्व में शारदा यूनिवर्सिटी की छात्रा ज्योति शर्मा की आत्महत्या के प्रकरण को लेकर मनीष वर्मा से मिला।

फेडरेशन के पूर्व महासचिव दीपक भाटी ने जिलाधिकारी से ज्योति शर्मा की आत्महत्या के मुकदमे में निष्पक्ष कानूनी कार्यवाही की मांग की है, क्योंकि पुलिस द्वारा आत्महत्या की घटना के बाद छात्रों के विरोध को बलपूर्वक दबाने का प्रयास किया गया, जो पुलिस पर संस्थान के दबाव को दर्शाता है। शिकायत यह भी है कि संस्थान अन्य छात्रों पर अनैतिक रूप से दबाव बना रहा है।

इस मौके पर आलोक साध, ओमप्रकाश कसाना, सतीश शर्मा, दिनेश भाटी, प्रशांत राठी, श्रीमती रूपा गुप्ता, श्रीमती पिंकी त्रिपाठी, पंकज राणा, जितेंद्र मावी, कर्मवीर फौजी, तिलकराम भाटी, भुवनेश गर्ग, वीरेश बैंसला, रमाकांत दीक्षित, विनय शर्मा, पंकज शर्मा, देवराज नागर, रवि कसाना, जरजिश खान आदि लोग उपस्थित रहे।

शहदरा में जलभराव

नोएडा (चेतना मंच)। शहदरा गांव में जलभराव के कारण विभिन्न प्रकार की बीमारियां फैलने की आशंका प्रबल हो गई है। वहीं नोएडा प्राधिकरण जल जमाव से निजात दिलाने में असफल साबित हो रहा है। शहदरा गांव में बरसात का पानी काफी समय से जमा हुआ है, लेकिन उसकी निकासी की व्यवस्था न होने के कारण अब उसमें से दुर्गंध आने लगी है, जिससे संक्रामक बीमारियों के फैलने की संभावना बढ़ गई है। सामाजिक कार्यकर्ता सुभाष भाटी ने नोएडा प्राधिकरण के जल विभाग से जल निकासी की उचित व्यवस्था करने की मांग की है।

ग्रेनो में सोलर तकनीक के जरिए एसटीपी के स्लज से बनेगी खाद

- आईआईटी दिल्ली इसकी डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट बना रहा है
- कासना स्थित 137 एमएलडी एसटीपी पर लगाने की योजना

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण सीवरेज ही नहीं, बल्कि एसटीपी से निकलने वाले स्लज को खाद में तब्दील करने की तकनीक पर काम कर रहा है। प्राधिकरण आईआईटी दिल्ली से इसकी डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर रहा है। अगले सप्ताह इसकी डीपीआर तैयार हो जाएगी।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार की मंशा है कि एसटीपी से निकलने वाले ट्रीटेड वाटर के रीयूज के साथ ही स्लज को भी प्रोसेस कर खाद के रूप में इस्तेमाल किया जाए। सीईओ के निर्देश पर सीवर विभाग की टीम ने पता लगाया कि गोवा में एसटीपी से निकलने वाले स्लज को खाद बनाने की तकनीक इस्तेमाल की जा रही है। वही तकनीक यहां भी लाने की तैयारी है। वरिष्ठ प्रबंधक विनोद कुमार शर्मा ने बताया कि इस तकनीक का नाम सोलर ड्राई स्लज मैनेजमेंट (एसडीएसएम) है। इसके जरिए पांच दिन में ही स्लज ड्राई होकर भुरभुरा राख में तब्दील हो जाएगा। इसे खाद में कनवर्ट कर लिया जाएगा, जिसे उद्यानीकरण में उपयोग किया जाएगा। इसे सबसे पहले कासना स्थित 137 एमएलडी एसटीपी पर इस्तेमाल करने की योजना है। अगर यह तकनीक सफल रही तो अन्य एसटीपी पर भी लगाया जाएगा।

एसटीपी	क्षमता
बादलपुर	2 एमएलडी
कासना	137 एमएलडी
ईकोटेक-2	15 एमएलडी
ईकोटेक-3	20 एमएलडी

एसीईओ का बयान

'सोलर ड्राई स्लज मैनेजमेंट तकनीक के जरिए स्लज के प्रबंधन पर विचार किया जा रहा है। इससे स्लज को कंपोस्ट में तब्दील किया जाएगा। आईआईटी दिल्ली से डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट आने पर इस परियोजना की विस्तृत जानकारी प्राप्त हो सकेगी।'

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद भी नहीं मिला न्याय

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सड़क से लेकर लेबर ऑफिस और सुप्रीम कोर्ट तक लड़ाई जीत लेने के बावजूद ग्रेटर नोएडा औद्योगिक प्राधिकरण के पूर्व माली एवं सफाई कर्मचारी आज भी न्याय से वंचित हैं। सीटू से जुड़ी माली एवं सफाई कामगार यूनियन की ओर से नवादा शनि मंदिर परिसर में रविवार को आयोजित आमसभा में श्रमिकों का आक्रोश और पीड़ा साफ झलकी।

सभा की अध्यक्षता कर रहे सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा ने कहा कि वर्ष 2003 में ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण से 240 माली और सफाई कर्मचारियों को सिर्फ इस कारण निकाल दिया गया था कि उन्होंने नियमितीकरण की मांग की थी। तभी से यूनियन इन कर्मचारियों को न्याय दिलाने की लड़ाई लड़ रही है।

जाट समाज के सदस्यों ने किया पौधारोपण

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जाट समाज ग्रेटर नोयडा द्वारा अंसल गोल्फ लिंक-1 में एक वृक्षारोपण का कार्यक्रम किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री के.पी. मलिक (वन एवं पर्यावरण मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार) एवं जिला वन अधिकारी श्री प्रमोद श्रीवास्तव भी रहे। समाज के अध्यक्ष आर.बी.सिंह ने बताया कि केंद्र और प्रदेश सरकार द्वारा वातावरण को प्रदूषण मुक्त और हरा भरा रखने के लिए चलाए जा रहे हैं अभियान 'एक वृक्ष मां के नाम' के क्रम में जाट समाज ग्रेटर नोएडा द्वारा भी वृक्षारोपण का कार्यक्रम किया गया। इसमें नीम, पीपल,सहजन,अमरूद, जामुन आदि के 100 से अधिक पौधे सेक्टर में विभिन्न स्थानों पर लगाए गए। इस अवसर पर अंसल गोल्फ लिंक के अध्यक्ष जतन अत्री, जगदीश पाल सिंह,गजेन्द्र सिंह,वीरेन्द्र पूनिया, हरवीर सिंह, जुगेन्द्र सिंह, अजीत पूनिया, अमित राठी, शिवचरन सिंह, गोपाल सिंह, सुबोध चौधरी, सुरेन्द्र सिंह सतवीर मुखिया, रविंद्र चौधरी, सुशील सिरोही, रविन्द्र सोलंकी, अमरदीप, गिरीश अत्री, लोकेन्द्र तालान, देवेश एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

शारदा विश्वविद्यालय में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेनो के नॉलेज पार्क स्थित शारदा विश्वविद्यालय में मृतक बीडीएस की छात्रा ज्योति शर्मा की आत्मा की शांति के लिए श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया और 2 मिनट का मौन रख उन्हें नम आंखों से श्रद्धा सुमन अर्पित किया। इस दौरान विश्वविद्यालय के सभी स्कूलों के डीन,एचओडी, फैकल्टी और छात्र मौजूद रहे।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के चांसलर पीके गुप्ता ने कहा इस दुखद घटना को लेकर हमारी संवेदना मृतक छात्रा के परिवार के साथ है। उन्होंने कहा कि शिक्षक को भगवान का दर्जा दिया जाता है। इस तरह की घटना से संस्थान का नाम खराब होता है। शिक्षक और छात्रों के बीच ऐसा रिश्ता होना चाहिए जो अपनी समस्या बिना संकोच से बता सके।

इस दौरान प्रो चांसलर वाइके गुप्ता, वाइस चांसलर डॉ सिबाराम खारा, रजिस्ट्रार डॉ विवेक कुमार,एडमिशन डायरेक्टर डॉ राजीव गुप्ता, डीन रिसर्च डॉ भुवनेश कुमार समेत विभिन्न लोग मौजूद रहे।

महापंचायत 28 जुलाई को

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय किसान यूनियन (लोक शक्ति) की महापंचायत 28 जुलाई को यमुना एक्सप्रेसवे के जीरो पॉइंट पर आयोजित की गई है। यह जानकारी यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मास्टर श्योराज सिंह ने दी है।

उन्होंने बताया कि आगामी 28 जुलाई को जीरो पॉइंट पर किसानों की समस्याओं को लेकर महापंचायत का आयोजन किया गया है। इस महापंचायत में किसानों की समस्याएं सुनकर आगे के आंदोलन की रणनीति तैयार की जाएगी।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि किसानों का उत्पीड़न अब किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं व किसानों से 28 जुलाई को होने वाली महापंचायत में भाग लेने की अपील की है।

नाम परिवर्तन

एतदद्वारा सूचित किया जाता है कि मैं रामबीर सिंह पुत्र यशवीर सिंह निवासी न्यू हैबतपुर, पोस्ट बिसरख, सेक्टर-4 ग्रेटर नोएडा जनपद गौतमबुद्धनगर का निवासी हूं। मैं सेक्टर-33 स्थित एसीसी कान्वेंट स्कूल में कक्षा-9डी का छात्र हूं। स्कूलों के कागजातों में त्रुटिवश मेरा नाम रामवीर सिंह (Ramveer Singh) दर्ज हो गया था। जबकि मेरा वास्तविक नाम रामबीर सिंह (Rambir Singh) है। अतः स्कूल के रिकॉर्ड में मेरा नाम रामवीर सिंह (Ramveer Singh) के स्थान पर रामबीर सिंह (Rambir Singh) दर्ज किया जाए।

पृष्ठ एक के शेष....

बच्चों के झगड़े में ....

उसने जब गाली-गलौज का विरोध किया तो राजकुमार ने उसके साथ मारपीट की। मारपीट के दौरान राजकुमार ने लोहे की रॉड से उसके सिर व शरीर पर वार कर दिए। रॉड लगने से उसका सिर फट गया और कई जगह चोंटे आई। पुलिस का कहना है कि आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

सड़क हादसे में ...

गंभीर हालत में उन्हें सेक्टर-39 स्थित जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक की पत्नी सलमा खातून ने बताया कि दुर्घटना के समय उनके पति घर से खाना लाने के लिए निकले थे। सलमा खातून ने थाना फेस वन में ऑटो चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

वहीं थाना सेक्टर-126 में जीशान अहमद ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। जीशान अहमद ने बताया कि 29 जून की रात्रि को दिल्ली जाने वाले मार्ग कालिंदी पुल पर सड़क दुर्घटना में उनका भाई फैजान अहमद गंभीर रूप से घायल हो गया।

घायल अवस्था में उन्हें अस्पताल ले जाया गया जांच चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जीशान अहमद ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। पुलिस का कहना है कि पीड़ितों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और दुर्घटना के दोषी वाहन चालकों की पहचान का प्रयास किया जा रहा है।

शहीद नरेंद्र सिंह भाटी को दी श्रद्धांजलि

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। कारगिल शहीदों में ग्रेटर नोएडा के सैंथली गांव से नरेंद्र भाटी का नाम भी स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। लड़ाई में उन्होंने दुश्मनों के दांत खट्टे कर दिए थे। भारत माँ के अमर सपूत जाबाज अमर नायक शहीद नरेन्द्र सिहं भाटी ग्राम-सैंथली, जिला गौतमबुद्धनगर 21 जुलाई 1999 को कारगिल युद्ध के दौरान हिन्द पाक की सीमा पर दुश्मन से लोहा लेते हुए अपने प्राणों की आहूति देकर देश का व अपने दादरी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर का नाम रोशन कर गये। महान शहीद को उनके 26वीं शहादत दिवस पर श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। उनकी वीरगाथा आज भी लोगों की जुबान पर हैं।

सैंथली गांव में शहीद स्थल पर अमर शहीद नरेंद्र सिंह भाटी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए गए अमर शहीद के 26 वी शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन शहीद परिवार द्वारा किया गया। दादरी तहसील के सैंथली गांव जाने वाले मुख्य मार्ग पर शहीद नरेंद्र सिंह भाटी का शहीद स्थल बना हुआ है।

इस मौके पर सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी, प्रधान श्रीपाल भाटी, राव कपिल भाटी मथुरापुर (राजा राव उमराव सिंह जी के वंशज), विडो वेलफेयर (विधवा कल्याण) से सुश्री जुली शर्मा, sbi officer संगीत भाटी, सैंथली चौकी इंचार्ज विशाल, जारचा एसो सुमनेश कुमार, इनकम टैक्स अधिकारी गौरव छावडी, चौ महिपाल, किशनलाल, हरिचंद्र, सुरेंद्र भाटी हरेंद्र भाटी, सुभाष, हरवीर भाटी ठेकेदार, ओमप्रकाश नागर, सुरेश भाटी, जग्गी, चौ इश्वर वीकल नवादा, अतुल भाटी साकिपुर, इंस्पेक्टर सुमीत भाटी, अभीषेक भाटी, समस्त शहीद परिवार एवं ग्रामीण।

रोडरेज में टैंकर चालक की पिटाई

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-58 क्षेत्र में हुई रोडरेज की घटना के बाद स्कॉर्पियो कार सवार युवकों ने टैंकर चालक की पिटाई कर दी। मारपीट में टैंकर चालक घायल हो गया और उसकी जेब से 15000 रुपए भी कहीं गिर गए।

अर्चना एनक्लेव खोड़ा कॉलोनी निवासी देवेंद्र चौधरी ने बताया कि वह अपना ट्रैक्टर और टैंकर लेकर खोड़ा की तरफ जा रहा था । वह जैसे ही सेक्टर-62 स्थित अदानी कम्पलैक्स के पीछे वाली रोड पर पहुंचा तो तेज गति में आ रही स्कार्पियो गाड़ी के चालक ने ओवरटेक करने के फेर में टैंकर में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से स्कॉर्पियो छतिग्रस्त हो गई इसके बाद स्कॉर्पियो से तीन-चार लड़के उतरे और उसकी गलती बता कर उसके साथ मारपीट शुरू कर दी।

मारपीट के दौरान उसकी जेब से 15000 रूपये भी कहीं गिर गए। मौके पर लोगों को इकट्ठा होता देखकर आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। पीड़ित ने स्कॉर्पियो सवारों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

पुलिस का कहना है की पीड़ित द्वारा दिए गए स्कॉर्पियो गाड़ी के नंबर के आधार पर आरोपियों को की पहचान का प्रयास किया जा रहा है।

एलजी कंपनी की पार्किंग में ड्राइवर से मारपीट

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा स्थित एलजी कंपनी में पार्किंगकर्मी ने ड्राइवर के साथ मारपीट की मारपीट के दौरान आरोपी ने जाति सूचक शब्दों का प्रयोग किया। पीड़ित ने थाना सूरजपुर में आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

मूल रूप से पहासू बुलंदशहर निवासी नीरज ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह पिछले करीब 4 वर्षों से एलजी कंपनी में स्थानीय यूनियन में ड्राइवर के तौर पर कार्य कर रहा है। 21 जुलाई की सुबह वह अपनी गाड़ी लेकर कंपनी गया वहां मौजूद कंपनी के कर्मचारी हरिओम को गाड़ी की पर्ची दिखाकर पार्किंग करने के लिए कहा।

इस दौरान हरिओम ने उससे अभद्र व्यवहार करते हुए जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया। नीरज के मुताबिक उसने इस बात का विरोध करते हुए हरिओम की मोबाइल से वीडियो बनाने शुरू की तो उसने मोबाइल छीनने का प्रयास करते हुए मारपीट शुरू कर दी। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एससी एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है।

बेदखली सूचना

मैं, विनोद कुमार शर्मा, निवासी WZ 59, गुरु नानक नगर, दिल्ली-18, यह घोषणा करता हूं कि मैंने अपने पुत्र शुभम शर्मा (आयु 30) को उनके दुर्व्यवहार के कारण अपनी सभी चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। उसे मेरी किसी भी संपत्ति का वारिस होने का अधिकार नहीं होगा और न ही उसे मेरी वसीयत का प्रोबेट प्राप्त करने का हकदार होगा। शुभम शर्मा के साथ मेरे संबंध में किसी भी व्यवसाय का लेन-देन करने वाला कोई भी व्यक्ति अपने जोखिम पर ऐसा कर रहा है।

डयूटी गए दंपत्ति, घर में हुई चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-49 क्षेत्र के हनुमान विहार बरौला में रहने वाले एक व्यक्ति के घर से चोर लाखों रुपए के जेवरात व नगदी को चोरी कर ले गए। घटना के समय दंपत्ति ड्यूटी पर गए हुए थे।

श्यामा अपार्टमेंट हनुमान विहार बरौला निवासी मधुसूदन साहू ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह और उसकी पत्नी दोनों नौकरी करते हैं। 19 जुलाई को वह सुबह के समय घर से ड्यूटी के लिए चले गए। शाम के समय जब वह वापस घर लौटे तो उन्हें मकान का ताला टूटा हुआ मिला। घर का सारा सामान अस्त व्यस्त पड़ा हुआ था। उन्होंने देखा कि चोर अलमारी को तोड़कर सोने की चेन, कान की बाली, अंगूठी, सोने की चूड़ी व नगदी को चोरी कर ले गए हैं। उसने इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की इस दौरान घर में लगे कैमरे की फुटेज खंगाली गई तो उसमें एक संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिया। पुलिस का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

डाक्टर के क्लीनिक में चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के सेक्टर-99 में एक डॉक्टर के क्लीनिक से चोरों ने इनवर्टर बैटरी व लैपटॉप चोरी कर लिया।

सेक्टर 99 एचआईवी ग्रीन न्यू अपार्टमेंट में रहने वाले डॉक्टर कृष्ण कुमार राय ने बताया कि उसका सेक्टर 99 में आर डी आर के नाम से क्लिनिक है। रात्रि के समय चोरों ने उनके क्लीनिक का ताला तोड़कर इनवर्टर बैटरी और लैपटॉप चोरी कर लिया। पड़ोस में रहने वाले लोगों ने क्लीनिक का ताला टूटा देखकर उन्हें सूचना दी।

बाद वह क्लीनिक पर पहुंचे तो पता चला कि चोर उनके क्लीनिक से इनवर्टर बैटरी और लैपटॉप चोरी कर ले गए। हैं पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरा की फुटेज को खंगाल कर चोरों का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

दो लोगों के गले से चेन छीनी

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-113 क्षेत्र में बदमाशों ने अलग-अलग स्थान पर महिला सहित दो लोगों से सोने की चेन छीन ली और फरार हो गए।

सेक्टर-76 की स्काईटेक मेट्रोट सोसाइटी में रहने वाली चंचल गुप्ता ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह 11 जुलाई की रात्रि को मार्केट से खरीदारी कर वापस अपने घर लौट रही थी। जे एम ऑर्किड के पास पीछे से बाइक पर आए तो बदमाशों ने उनके गले से सोने की चेन छीन ली। उन्होंने बदमाशों का विरोध करते हुए उन्हें पकड़ने का प्रयास किया लेकिन वह बाइक से रफू चक्कर हो गए।

सेक्टर-77 के एलीट होम्स सोसायटी में रहने वाले विद्यानिवास मिश्र के गले से भी बदमाशों ने चेन छीन ली। विद्या निवास ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि वह 16 जुलाई को सेक्टर-77 की सब्जी मंडी के पास से गुजर रहे थे। इस दौरान बाइक पर आए बदमाश उनके गले से चेन छीनकर फरार हो गए। पुलिस का कहना है कि दोनों पीड़ितों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और बदमाशों की पहचान का प्रयास किया जा रहा है।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

नोएडा प्राधिकरण ने लांच की 10 कॉर्पोरेट भूखंडों की योजना

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण ने सेक्टर-153 में 10 कॉरपोरेट भूखंडों की योजना आज लॉन्च की है। हर भूखंड का एरिया एक हजार वर्ग मीटर है। इस योजना में चार अगस्त तक आवेदन किया जा सकता है।

इनका आवंटन ई-निलामी के जरिए किया जाएगा। प्राधिकरण अधिकारियों ने बताया कि कॉरपोरेट भूखंड से पहले व्यावासयिक और ग्रुप हाउसिंग भूखंड की योजना लॉन्च की जा चुकी है। व्यावासयिक भूंखड योजना आठ जुलाई से चल रही है। इस योजना के अंतर्गत सेक्टर-61, 62, 63, 96, 98, 108, 135 और 142 में व्यावसायिक भूखंड हैं। इस योजना में 30 जुलाई तक आवेदन किया जा सकता है।अधिकारियों ने उम्मीद जताई कि इस बार कुछ भूखंड बिक सकते हैं।

प्राधिकरण अधिकारियों ने बताया कि सेक्टर-44 में एक ग्रुप हाउसिंग भूखंड की योजना को भी लॉन्च किया जा चुका है, इसमें 1 अगस्त तक आवेदन किया जा सकता है।

राज्य मंत्री ने लगाया 'एक पेड़ माँ के नाम'

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए आज अंसल गोल्फ लिंक प्रथम सोसाइटी, ग्रेटर नोएडा में उत्तर प्रदेश सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री के. पी. मलिक द्वारा एक मौलश्री का पौधा रोपित कर 'शक्ति वन' की स्थापना का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन बड़े उत्साह और जनसहभागिता के साथ संपन्न हुआ।

वृक्षारोपण कार्यक्रम की श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए 'एक पेड़ माँ के नाम' 2.0 थीम के अंतर्गत धनौरी आर्द्रभूमि के समीप ग्रीन बेल्ट क्षेत्र में लगभग 05 हेक्टेयर भूमि पर 'शक्ति वन' का विस्तार किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल हरियाली बढ़ाना है, बल्कि मातृत्व और प्रकृति के गहरे संबंध को भी भावनात्मक रूप से जोड़ना है।

इस अवसर पर समाज सेविका एवं पर्यावरण प्रेमी सरोज मुख्य अतिथि रहीं। उनके साथ क्षेत्रीय वन अधिकारी अनामिका, स्थानीय ग्रामीण, पर्यावरण के प्रति जागरूक नागरिक, संभ्रांत जन तथा वन विभाग की संपूर्ण टीम उपस्थित रही। सभी ने उत्साहपूर्वक इस पावन अभियान में भाग लिया।

कार्यक्रम में बरगद, गूलर, अर्जुन, कनेर, बोतल ब्रश, कंजी, मौलश्री, अकेसिया आदि विविध प्रजातियों के छायादार और औषधीय पौधों का रोपण किया गया। यह वन क्षेत्र आने वाले वर्षों में जैव विविधता को संजोने और पर्यावरण संतुलन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

रालोद में शामिल हुए सैकड़ों लोग

नोएडा (चेतना मंच)। राष्ट्रीय लोक दल पार्टी का सदस्यता अभियान का कार्यक्रम वृंदावन क्लब थर्ड पार्क न्यू गौर यमुना सिटी सेक्टर-19 में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष जनार्दन भाटी ने की।

इस मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह केंद्रीय (मंत्री भारत सरकार) के नेतृत्व में आस्था रखते हुए राष्ट्रीय लोक दल पार्टी की सैकड़ों लोगों ने सदस्यता ग्रहण की तथा अतुल चौधरी को जिला उपाध्यक्ष का मनोनय पत्र दिया गया।

इस मौके पर एड इंद्रवीर भाटी ने कहा कि पार्टी की सदस्यता 14 अप्रैल 2025 भीमराव अंबेडकर की जयंती से शुरू होकर 31 अक्टूबर 25 वल्लभभाई पटेल की जयंती तक चलेगी जिसमें जिला गौतमबुद्धनगर में हजारों की संख्या में लोगों को पार्टी से जोड़ा जाएगा जो कि आने वाले 2027 के विधानसभा चुनाव में पार्टी के साथ-साथ एनडीए भी मजबूत हो।

इस मौके पर श्रीमती हेमा पाठक, मनवीर भाटी, हरवीर तालान, एड श्रीमती प्रियंका अत्रि, लक्ष्मण कुंतल, अतुल चौधरी, अभिषेक अग्रवाल, आजाद मलिक, श्रीमती अनु चौधरी, जोगिंदर तालान, वीरेंद्र मलिक, बादशाह सिंह, कैलाश शुक्ला, दीपक सिंह, अजीत त्यागी, विनोद दत्त, विनय पांडे, राम सिंह, पुनीत चौधरी, लविश कुमार, आकाश कुमार, विपिन कुमार, पुनीत कुमार, दीपक कुमार, रितेश कुमार, नवाजुद्दीन अली, अब्दुल सलाम, जसवीर भाटी, विनीत भाटी, ग्रीस अत्री, सतीश शर्मा, बबलू चौधरी, कपिल चौधरी सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दीपाली पसारी फिर बनी सी ब्लॉक सेक्टर-34 की आरडब्ल्यूए अध्यक्ष

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-34 स्थित सामुदायिक केंद्र पर सी ब्लॉक आरडब्ल्यूए सेक्टर-34 की संपन्न हुई। आमसभा में अध्यक्ष पद पर दीपाली पसारी दोबारा चुनी गयी।

चुनाव अधिकारी केशव लाल एवं डी के भारद्वाज ने बताया कि आरडब्ल्यूए के 14 पदों पर निर्विरोध चुने जाने वालों में अध्यक्ष पद पर दीपाली पसारी, उपाध्यक्ष पद पर अजय शर्मा, महासचिव पद पर विकास गुलाटी, संयुक्त सचिव समीर धर, कोषाध्यक्ष ललित गुप्ता, सह कोषाध्यक्ष आर एस चौहान एवं कार्यकारिणी सदस्य के रूप में रविन्द्र मद्ढ, दानिश, धवन, डी के जैन, बिजेंद्र नागर, शशिकांत अग्रवाल, एम के गोयल, रवींद्र कुमार यादव, हरप्रीत सिंह भान चुने गए।

फेडरेशन ऑफ़ आरडब्ल्यूए सेक्टर-34 अध्यक्ष के के जैन एव महासचिव धर्मेन्द्र शर्मा द्वारा नई टीम को बधाई देते हुए शुभकामनाएं प्रेषित की गई ।

श्रावण मास में भगवान शिव का रूद्राभिषेक

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-82 स्थित प्राचीन तपोभूमि ब्रम्हचारी कुटी में पावन श्रावण मास के द्वितीय सोमवार को महंत ओम भारती महाराज के सानिध्य में भगवान शिव का रुद्राभिषेक कराया गया।

प्रातः से आचार्य अमित दीक्षित द्वारा मंत्रोच्चार के बीच दुग्धधारा से भगवान भोलेनाथ का अभिषेक किया गया। इस दौरान शिव परिवार की पूजा अर्चना की गई साथ ही भोलेनाथ का श्रृंगार भी किया गया। रुद्राभिषेक के बाद हवन हुआ और आरती के उपरांत प्रसाद वितरण हुआ।

इस अवसर पर राघवेंद्र दुबे ने कहा कि शिव परम कल्याणकारी हैं। शिव की आराधना से दैहिक, दैविक और भौतिक तापों का शमन हो जाता है। श्रावण मास में शिव की भक्ति से अंत गुना पुण्य फल की प्राप्ति होती है। रुद्राभिषेक के माध्यम से सभी जीवों के कल्याण के लिए शिव से प्रार्थना की गई।

इस अवसर पर विकास भारती, अशोक कुमार, ओम कुमार, रवि राघव, सुशील पाल, शिववृत तिवारी सहित तमाम शिव भक्त मौजूद रहे।

शिवसेना (शिंदे) प्रमुख आदेश राठी ने की कांवड़ियों की सेवा

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर शिव सेना (शिंदे) प्रमुख आदेश राठी ने श्रावण मास के द्वितीय सोमवार को शिव भक्त कांवड़ियों का उत्साह वर्धन करने और उनकी सेवा करने के लिए नोएडा से लेकर गढ़मुक्तेश्वर तक यात्रा की और सभी शिव भक्तों के लिए आवश्यक वस्तुए उपलब्ध कराई और भगवान शिव का जलाभिषेक किया।

शिवसेना (शिंदे) गौतम बुध नगर प्रमुख आदेश राठी ने बताया कि शिवपुराण के अनुसार 'गढ़ मुक्तेश्वर' का प्राचीन नाम 'शिव वल्लभ' (शिव का प्रिय) है भगवान मुक्तीश्वर (शिव) के दर्शन के गढ़मुक्तवर हर हर महादेव करने से अभिशप्त शिवगणों की पिशाच योनि से मुक्ति हुई थी इसलिए इस तीर्थ का नाम 'गढ़ मुक्तीश्वर' (गणों की मुक्ति करने वाले ईश्वर) विख्यात हो गया।

इस पावन कार्य में रकम सिंह तंवर (समाजसेवी), उप जिला प्रमुख प्रवेश अवाना, कपिल अवाना, नीरज भाटी, ललित चौधरी, संजय नागर, आदेश त्यागी आदि लोग उपस्थित रहे।

ग्रेनो वेस्ट से नोएडा एयरपोर्ट आना-जाना होगा आसान

130 मीटर रोड को 120 मीटर चौड़ी रोड से जोड़ने की तैयारी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के 130 मीटर रोड को यीडा के 120 मीटर रोड से जोड़ने पर विचार- विमर्श शुरू हो गया है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने इन दोनों मार्गों को जोड़ने की तैयारी शुरू कर दी है। इस पर यमुना प्राधिकरण से बातचीत कर निर्णय लिया जाएगा। प्राधिकरण 130 मीटर और 120 मीटर रोड के बीच करीब 3 किलोमीटर की दूरी में सड़क बनाने पर विचार कर रहा है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ सुमित यादव ने परियोजना विभाग की टीम के साथ सोमवार को 130 मीटर रोड का जायजा लिया। अगर दोनों मार्ग जुड़ते हैं, तो इससे गाजियाबाद, ग्रेनो वेस्ट और ग्रेटर नोएडा के निवासी नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट तक आसानी से पहुंच सकेंगे। इसके साथ ही घंघोला रोटरी बनाने के लिए भी सिंचाई विभाग से बात कर निर्णय लियाजाएगा।

दरअसल, 130 मीटर रोड ग्रेनो वेस्ट के चार मूर्ति चौक से सिरसा तक बनी हुई है। हजारों वाहन रोजाना इस मार्ग से गुजरते हैं। नोएडा एयरपोर्ट के शुरू होने के बाद वाहनों को दबाव और बढ़ेगा। इसे ध्यान में रखते हुए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार के निर्देश पर चौड़ीकरण का कार्य भी चल रहा है। इस दूरी में बने गोलचक्करों को छोटा करने पर भी विचार हो रहा है। अब 130 मीटर रोड को यीडा के 120 मीटर रोड से जोड़ने की तैयारी शुरू हो गई है, ताकि नोएडा, गाजियाबाद, ग्रेनो वेस्ट और ग्रेटर नोएडा के निवासी 130 मीटर रोड के जरिए 120 मीटर रोड से होकर नोएडा एयरपोर्ट तक आसानी से पहुंच सकें। सीईओ एनजी रवि कुमार के निर्देश पर सोमवार को एसीईओ सुमित यादव ने वरिष्ठ प्रबंधक नरोत्तम सिंह, प्रभारी वरिष्ठ प्रबंधक प्रभात शंकर और प्रबंधक अभिषेक पाल व अन्य के साथ मौके पर मुआयना किया और एसीईओ ने 130 मीटर रोड को 120 मीटर रोड से जोड़ने की संभावनाओं पर चर्चा की। सिरसा के पास ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे को पार करने के लिए अंडरपास बनाने पर भी विचार किया जा रहा है। यमुना प्राधिकरण से बातचीत कर प्राधिकरण आगे बढेगा। इसके साथ ही औद्योगिक सेक्टर ईकोटेक 9, 10 व 11 को जोड़ने के लिए घंघोला के पास रोटरी बनाने पर भी विचार किया जा रहा है। प्राधिकरण के एसीईओ सुमित यादव ने यहां भी मौका मुआयना किया और सिंचाई विभाग और अन्य संबंधित विभागों से बातचीत कर निर्णय लिया जाएगा। अगर यह रोटरी बनती है तो बुलंदशहर भी आना-जाना आसान हो जाएगा और औद्योगिक सेक्टरों में आवाजाही सुगम हो जाएगी। जनमानस की सुविधाओं को देखते हुए दोनों ही परियोजनाओं पर सीईओ के निर्देशानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मेडिकल कैंप

नोएडा के होशियारपुर गाँव में शिव भक्तों की सेवा के लिए आतंकवाद विरोधी मोर्चा द्वारा मेडिकल कैम्प लगाया गया। मेडिकल कैंप में सर्वोदय अस्पताल के डाक्टरों ने शिव भक्तों का इलाज किया। इस मौके पर जिला प्रभारी हरबीर यादव, राम निवास , राजवीर, नब्बू दरोगा, राम सिंह आदि मौजूद रहे।

मैदान-ए-कर्बला में शहादत की याद में निकाला कैंडल मार्च

नोएडा (चेतना मंच)। पैगंबरे इस्लाम मोहम्मद साहब के नवासे और उनके 71 साथियों की मैदान-ए-कर्बला में हुई शहादत की याद को ताजा करने के लिए हर साल की तरह इस साल भी नोएडा स्टेडियम के गेट नंबर 4 से मोदी मॉल से सेक्टर-21 से गुजरते हुए सेक्टर-10, 12 की रेडलाइट से होते हुए सेक्टर -22 ए ब्लॉक में समाप्त हुई। हुसैनी युथ संस्था की जानिब से कैंडल मार्च निकाला गया।

मौलाना गुलाम अली नकवी ने इमाम हुसैन के बारे में बताया इस कैंडल मार्च में शिरकत करने पहुंचे इनकम टैक्स कमिश्नर नोएडा नियर अली नजमी साहब, यमुना प्राधिकरण के पूर्व फाइनेंस कंट्रोलर एस ए आर जैदी ,समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता अली अब्बास काजमी, दीपक विग पूर्व महानगर अध्यक्ष समाजवादी पार्टी, चेयरमैन पंजाबी विकास मंच, जय हिंद जनाब के संपादक मोहम्मद आजाद,मोहम्मद इमरान, मोहम्मद अकीब, बीएसपी के नेता हाजी रईस चौधरी, जाकिर चौधरी, युवा नेता समाजवादी पार्टी विवेक यादव,अजीम ज़ैदी, नईम अब्बास, समाजवादी पार्टी के महानगर अध्यक्ष डॉक्टर आश्रय गुप्ता, हुसैनी यूथ संस्था के सभी पदाधिकारी एवं वॉलिंटियर आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय थी।